जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 13 प्रभात बीकानेर, सोमवार 4 अगस्त, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

एयर इंडिया का पुनः ''राष्ट्रीयकरण'' (नैशनलाइज़ेशन) करने की माँग उठने लगी है

रद्द उड़ानें, उड़ान भरने में बेवजह देरी आदि कारणों से यह छवि बन रही है कि एयर इंडिया में अब शीर्ष स्तर पर नागरिक उड्डयन (सिविल एविएशन) के पर्याप्त अनुभव की कमी है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 03 अगस्त। कांग्रेस नेता मनीष तिवारी द्वारा टाटा समूह से एयर इंडिया को वापस लेने की सरकार से की गई मांग ने एक बार फिर उस बहस को जिंदा कर दिया है, जिसके बारे में कई लोगों का मानना था कि जनवरी 2022 में एयरलाइन के निजीकरण के साथ ही यह मामता सुलझ गया था। टाटा के नेतृत्व वाली एयर इंडिया के ''प्रबंधन में गड़बड़ी'' बताते हुए, तिवारी ने समूह पर राष्ट्रीय संपत्ति को कुप्रबंधन की मिसाल बनाने का आरोप लगाया, जिसमें उड़ान रद्द हो रही हैं समय पर उड़ानें नहीं मिल रहीं और विमानन क्षेत्र की समझ की कमी दिखाई दे रही है।

तिवारी की निराशा पूरी तरह निराधार नहीं है। सोशल मीडिया पर यात्रियों की शिकायतें भरी पड़ी हैं, अनियमित समय-सारणी, खराब ग्राहक सेवा और व्यवस्थागत गड़बड़ियाँ। समूह द्वारा आधुनिक, और यात्रियों के अनुकूल एयर इंडिया का जो वादा किया गया था, वह अब तक पूरी तरह हकीकत नहीं बन पाया है। लेकिन क्या इन शुरुआती समस्याओं की वजह से एक ऐतिहासिक सुधार को वापस लिया जाना चाहिए? क्या सरकार को उस एयरलाइन को फिर से अपने हाथ में लेना चाहिए, जिसे वह सालों तक सब्सिडी देकर भी चला नहीं पाई थी?

- **पर, क्या पुनः नैशनलाइज़ेशन करना इस समस्या का सही निदान है। क्योंकि एयर इंडिया को टाटा समूह को सौंपना एक ''इमोशनल'' निर्णय नहीं था, बल्कि आर्थिक विवशता दी। एयर इंडिया 60 हजार करोड़ रूपए का घाटा दे चुकी थी तथा सरकार के अनुदान के कारण घिसट रही थी। आशा की थी कि प्राइवेट हाथों में मैनेजमैंट जाने के बाद, यह घाटा रूकेगा तथा धीरे-धीरे एयर इंडिया चुस्त होकर अपने पैरों पर खड़ी हो जायेगी।**
- **टाटा संस ने चुस्त बनाने की दिशा में कदम भी उठाये तथा सिविल एविएशन इंडस्ट्री का अब तक का सबसे बड़ा ऑर्डर दिया नये हवाई जहाजों के लिए। स्टाफ के प्रशिक्षण के नये कोर्स शुरु किये गये तथा एयर इंडिया ब्राण्ड की विश्वसनीयता पुनः स्थापित करने की कोशिश की गई। पर, यह काम वर्षों चलने के बाद रिजल्ट दिखाता है। अतः एक प्रतिक्रिया यह भी है कि अब पुनः नैशनलाइज़ेशन की बात करना न्यायोचित नहीं है।**

पहले यह समझना जरूरी है कि एयर इंडिया का निजीकरण कोई आइडियोलॉजिकल फैसला नहीं था, बल्कि एक वित्तीय मजबूरी थी। यह एयरलाइन सरकार के लिए एक आर्थिक बोझ बन चुकी थी, 60,000 करोड़ से अधिक का नुकसान था, और सरकारी मदद से ही चल रही थी। करदाताओं का पैसा इस अनुत्पादक संस्था को बचाने में खर्च हो रहा था, जबकि वही पैसा स्वास्थ्य सेवा या बुनियादी ढाँचे में लग सकता था।

यह तो कहना पड़ेगा कि टाटा संस ने एक बहुत ही जटिल और संकटग्रस्त एयरलाइन संभाली है। चार एयरलाइनों (एयर इंडिया, एयर इंडिया एक्सप्रेस, विस्तारा और एयरएशिया इंडिया) का एकीकरण कोई आसान काम नहीं है। टाटा ने विमानन इतिहास का सबसे बड़ा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उम्र कैद की सजा के खिलाफ रेवन्ना हाई कोर्ट पहुँचे

बेंगलु, 03 अगस्त। यौन शोषण के एक मामले में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित सांसदों/विधायकों की विशेष अदालत (एमपी/एमएलए कोर्ट) की ओर से आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद जनता दल (सेक्युलर) के नेता प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलुरु के परप्पना अग्रहारा केंद्रीय कारागार में कैदी नंबर दिया गया। इस बात की जानकारी रविवार (3 अगस्त, 2025) को जेल अधिकारियों ने दी।

प्रज्वल ने कथित तौर पर

- **यौन शोषण के मामले में सांसद विधायकों की विशेष अदालत ने शेष जीवन तक कारावास की सजा सुनाई थी।**

कर्मचारियों को सूचित किया है कि उसने अपनी सजा को चुनौती देने के लिए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। पूर्व सांसद फिलहाल उच्च सुरक्षा वाली कोठरी में बंद है और उसे कड़ी सुरक्षा दी जा रही है।

प्रज्वल को शनिवार (2 अगस्त) को शेष जीवन तक कारावास में रहने की सजा सुनाई गई और कुल 11.50 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने निर्देश दिया कि 11.25 लाख रुपये रेवन्ना के परिवार की घरेलू सहायिका व पीड़िता को दिए जाएं।

'साढ़े छः लाख बिहारी श्रमिकों को तमिलनाडु का मतदाता बनाना अवैध'

चिदंबरम ने इसे तमिलनाडु के मतदाताओं के मनपसंद सरकार चुनने के अधिकार में हस्तक्षेप बताया

चेन्नई, 03 अगस्त। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने रविवार को कहा कि तमिलनाडु में बिहार के प्रवासी श्रमिकों को भी मतदान का अधिकार देने का चुनाव आयोग का फैसला चिंताजनक और अवैध है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह कदम तमिलनाडु के मतदाताओं के मनपसंद सरकार चुनने के अधिकार में घोर हस्तक्षेप होने के साथ-साथ प्रवासी श्रमिकों का भी ''अपमान'' है।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में चिदंबरम ने कहा, ''जहाँ बिहार में 65 लाख मतदाताओं के मताधिकार से वंचित होने का खतरा मंडरा रहा है, वहीं तमिलनाडु में 6.5 लाख लोगों को मतदाता के रूप में जोड़ने की खबरें चिंताजनक और स्पष्ट रूप से अवैध हैं। उन्हें ''स्थायी प्रवासी'' कहना प्रवासी श्रमिकों का अपमान है और तमिलनाडु के मतदाताओं के अपनी पसंदीदा सरकार चुनने के हक में घोर हस्तक्षेप है।''

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि

- **चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया रोजाना अजीब होती जा रही है। अगर प्रवासी मजदूर के परिवार का बिहार में स्थायी घर है तो उसे तमिलनाडु में ''स्थायी प्रवासी'' कैसे माना जा सकता है।**

प्रवासी श्रमिक जैसे छठ पूजा में वापस घर जाते हैं वैसे ही वे चुनावों में मतदान के लिए गृह राज्य क्यों नहीं जा सकते। उन्होंने कहा, ''प्रवासी श्रमिक विधानसभा चुनाव में मतदान करने के लिए बिहार (या अपने गृह राज्य) क्यों नहीं लौटते, जैसा कि वे आमतौर पर करते हैं? क्या प्रवासी श्रमिक छठ पूजा के त्योहार के समय बिहार नहीं लौटते? जब प्रवासी श्रमिक का बिहार (या दूसरे राज्य) में घर है तो उन्हें तमिलनाडु की मतदाता सूची में कैसे जोड़ा जा सकता है?''

चिदंबरम ने कहा कि चुनाव आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया रोजाना ही और भी ज़्यादा अजीब होती जा रही है। अगर प्रवासी मज़दूर के परिवार का बिहार में स्थायी घर है और वह बिहार में रहता है, तो उसे तमिलनाडु में ''स्थायी प्रवासी'' कैसे माना जा सकता है?''

उन्होंने पोस्ट में लिखा, ''चुनाव आयोग अपनी शक्तियों का दुरुपयोग कर रहा है और राज्यों के चुनावी चरित्र और पैटर्न को बदलने की कोशिश कर रहा है। शक्तियों के इस दुरुपयोग का राजनीतिक और कानूनी विरोध करना चाहिए।

विदित हो कि इससे पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और उसके सहयोगी दलों ने राज्य में प्रवासी मज़दूरों को वोट देने का अधिकार देने के चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा बंद होगी

नई दिल्ली, 03 अगस्त। भारतीय डाक विभाग ने बड़ा ऐलान किया है, जिसमें बताया गया है कि 1 सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्ट सेवा को अब स्पीड पोस्ट के साथ ही मिला दिया जाएगा। यानी अब ग्राहकों को पार्सल भेजने के लिए सिर्फ स्पीड पोस्ट की ही सुविधा मिलेगी। डाक विभाग ने बताया है कि इस फैसले के बाद पोस्ट सर्विस तेज और आधुनिक बनेगी।

ज्ञातव्य है कि रजिस्टर्ड पोस्ट

- **डाक विभाग, स्पीड पोस्ट सर्विस को तेज और आधुनिक बनायेगा।**

सर्विस की सुविधा साल1854 में शुरू की गई थी। इसके जरिए ग्राहक जरूरी डॉक्यूमेंट्स के साथ कीमती सामानों को भेजा करते थे। हालांकि अब 1 सितंबर से रजिस्टर्ड पोस्टलेबल नहीं मिलेगा। रजिस्टर्ड पोस्ट सर्विस में प्रूफ ऑफ डिलीवरी और रिसीवर के सिग्नेचर की जरूरत होती थी, जो अब ये स्पीड पोस्ट में मिलेगी।

आधिकारिक डाक डेटा 2011-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरयू नहर में बोलेरो डूबी, 11 की मौत

मृतकों में गोंडा के सीहा गाँव के 3 भाईयों के परिवार के 9 सदस्य व दो पड़ौसी हैं

गोंडा, 03 अगस्त। यूपी के गोंडा में रविवार सुबह 10 बजे तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 भाइयों के परिवार के 9 लोग थे, जबकि 2 लोग पड़ोसी परिवार के थे। छोटे भाई का पूरा परिवार खत्म हो गया। ड्राइवर सहित 4 लोग बच गए। अभी 10 साल की बच्ची लापता है। एसडीआरएफ टीम उसकी तलाश में जुटी है।

बोलेरो सवार 16 लोग जल चढ़ाने पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। सभी गोंडा के मोतीगंज थाना के सीहा गांव के रहने वाले थे। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी नहर में गिरने के बाद एक भी शख्स बाहर नहीं निकल पाया। बारिश के कारण नहर में लबालब पानी भरा है। नहर में गिरते ही गाड़ी पूरी तरह से डूब गई। उसके गेट लॉक हो गए। अंदर बैठे लोग छटपटाते रहे।

जानकारी के अनुसार, गाड़ी नहर के किनारे बनी सड़क से निकल रही थी। नहर क्रॉस करके जाना था। पुलिया के पास अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगाया, तेज स्पीड और बारिश की वजह से गाड़ी बेकाबू होकर नहर में गिरने लगी। इस पर ड्राइवर गेट खोलकर कूद गया। आगे की सीट में बैठे 2 लोग भी बाहर आ गए। बच्ची पिंकी बीच में खड़ी थी। झटके से वह भी ड्राइवर साइड के गेट से बाहर आ गई। इसके बाद बोलरो नहर में गिर गई।

जहां हादसा हुआ, वहां आसपास ग्रामीण मौजूद थे। बोलेरो नहर में गिरती देख वो लोग बचाने के लिए पानी में कूद गए, लेकिन गेट नहीं खोल पाए। रस्सी बांधकर बोलेरो को किनारे तक लाए, तब जाकर गाड़ी का कुछ हिस्सा बाहर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्रेनाइट खदान में बोल्डर गिरने से 6 मजदूरों की मौत

बापतला, 03 अगस्त। आंध्रप्रदेश में बापतला जिले के बल्लीकुरवा गाँव में एक ग्रेनाइट खदान में रविवार को एक भारी शिलाखंड (बोल्डर) गिरने से छह मज़दूरों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि मज़दूरों का एक समूह सत्य कृष्णा ग्रेनाइट खदान में काम कर रहा था, तभी एक पहाड़ी से विशाल पत्थर लुढ़ककर उन पर गिर गया जिसमें छह मज़दूरों की मौके पर ही मौत हो गयी। अब तक चार शव बाहर निकाले जा चुके हैं और दो

- **आंध्र प्रदेश में हुई दुर्घटना में चार अन्य मजदूरों की हालत नाज़ुक है।**

को निकालने के प्रयास जारी हैं। जिस समय यह हादसा हुआ, तब ग्रेनाइट खदान में 16 मज़दूर काम कर रहे थे।

इस हादसे में घायल अन्य मजदूरों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ चार मज़दूरों की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्रारंभिक जाँच के अनुसार, हादसे में मारे जाने वाले मजदूर ओडिशा के थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया गठबंधन की बैठक 7 अगस्त को राहुल गांधी के निवास पर होगी

गठबंधन की पिछली बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल हुई थी, जिसमें 24 दलों के नेता शामिल हुए थे

नई दिल्ली, 03 अगस्त। विपक्षी दलों के गठबंधन ''इंडिया'' की अगली बैठक 7 अगस्त को कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आवास पर होगी। सूत्रों के मुताबिक, यह बैठक डिनर के दौरान होगी और इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

राहुल गांधी ने हाल ही में आरोप लगाया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में करीब 70-80 सीटों पर धांधली हुई है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बहुत मामूली बहुमत से जीते हैं और यदि 15 सीटें भी सही तरीके से हुई होतीं, तो वो प्रधानमंत्री नहीं बन पाते।इसके साथ ही, बैठक में कई मुद्दे उठाए जा सकते हैं। जिसमें बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया, महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़ने का आरोप, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से संभावित टैरिफ (शुल्क) धमकी शामिल है।

- **राहुल गांधी के घर डिनर बैठक में मतदाता पुनरीक्षण, महाराष्ट्र में फर्जी वोटर जोड़ना, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, ऑपरेशर सिंदूर तथा ट्रंप की टैरिफ थमकी आदि मुद्दों पर चर्चा होगी।**

पिछली बैठक 19 जुलाई को वर्चुअल हुई थी, जिसमें 24 से ज्यादा दलों के नेता शामिल हुए थे, जिसमें एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार, आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव, जम्मू-कश्मीर के मौजूदा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे शामिल थे।

इस बार फारूक अब्दुल्ला (नेशनल कॉन्फ्रेंस) ने भी पुष्टि की है कि वे बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि वे बिहार की एसआईआर प्रक्रिया पर चर्चा करेंगे, जिसे भाजपा-जेडीयू गठबंधन की जीत सुनिश्चित करने के लिए उपयोग किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री राष्ट्रपति मुर्मू से मिले

नई दिल्ली, 03 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात की वजह अभी सामने नहीं आई है। राष्ट्रपति भवन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब बिहार विधानसभा चुनाव से पहले बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया पर चर्चा की विपक्ष की मांग को

- **अभी तक इस मुलाकात का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है।**

लेकर संसद में गतिरोध जारी है। साथ ही चुनाव आयोग ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए भी अधिसूचना जारी कर दी है। ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा के अलावा, मानसून सत्र शुरू होने के बाद से संसद में बहुत कम कामकाज हुआ है। राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री की यह मुलाकात अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने और भारत के रूस से सैन्य उपकरण और तेल की खरीद के चलते पेनल्टी लगाने का भी एलान किया है।

गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नागपुर, 03 अगस्त। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के नागपुर स्थित घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। पुलिस कंट्रोल रूम को ये धमकी भरा कॉल आया है। इस कॉल के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। कुछ ही देर में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

मिली जानकारी के अनुसार,रविवार सुबह 8:46 बजे

- **रविवार की सुबह पुलिस कंट्रोल रूम में बम से उड़ाने की धमकी का फोन आया था।**
- **नागपुर पुलिस ने गडकरी के घर पर डॉग स्क्वॉड के साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। कुछ घंटों में ही धमकी देने वाला गिरफ्तार हो गया। वह एक देशी शराब की दुकान पर काम करता है।**

पुलिस कंट्रोल के 112 नंबर पर गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। धमकी का कॉल आने के बाद पुलिस ने स्थानीय पुलिस थाने को मामले की जानकारी दी है। कंट्रोल रूम को कॉल आने के बाद प्रताप नगर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव से दो वोटर आईडी कार्ड पर जवाब मांगा

आयोग ने तेजस्वी द्वारा प्रेस कॉन्फ्रैंस में दिखाये वोटर कार्ड की मूल प्रति मांगी

पटना, 03 अगस्त। बिहार विधानसभा चुनावों की तैयारियों में सभी पार्टियां जुटी हुई हैं। इस बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ ती हुई दिख रही हैं। चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिस जारी किया है और 2 वोटर आई कार्ड के संबंध में जवाब मांगा है।

चुनाव आयोग के अनुसार, तेजस्वी यादव की प्रेस वार्ता के दौरान दिखाए गए इलैक्शन फोटो आइडैंटिटी कार्ड (ई.पी.आई.सी.) संख्या आरएबी 2916120 की जांच की जाएगी। आयोग ने तेजस्वी यादव से इसकी मूल प्रति मांगी है, जिसके लिए नोटिस जारी किया है।

चुनाव आयोग की प्राथमिक जांच के अनुसार, तेजस्वी को ई.पी.आई.सी. कार्ड का विवरण (कार्ड की मूल प्रति सहित) आयोग को उपलब्ध कराने को कहा गया है ताकि इसकी गहन जांच की जा सके।

दरअसल तेजस्वी यादव ने दावा किया था कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं है। तेजस्वी ने शनिवार को पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि उन्होंने अपने ई.पी.आई.सी. नंबर (आरएबी 2916120) को चुनाव आयोग की वेबसाइट पर सर्च किया, लेकिन नो रिकॉर्ड फाउंड का मैसेज आया। इसी बात को लेकर उन्होंने आयोग पर सवाल उठाए थे।

- **आयोग का कहना है कि जो कार्ड तेजस्वी ने दिखाया वह 10 साल से रिकॉर्ड में नहीं है तथा गत दो चुनाव तेजस्वी यादव ने जिस वोटर आईडी पर लड़े, वह दूसरा है।**

हालांकि, चुनाव आयोग ने उनके दावे को खारिज कर दिया था और कहा था कि तेजस्वी का नाम वोटर लिस्ट में मतदान केंद्र संख्या 204, क्रमांक 416 पर दर्ज है। उनका वैध ई.पी.आई.सी. नंबर आरएबी 0456228 है। चुनाव आयोग के सूत्रों ने बताया था कि तेजस्वी ने पीसी के दौरान जो ई.पी.आई.सी. नंबर आरएबी 2916120 दिखाया, वो पिछले 10 साल में कहीं रिकॉर्ड में नहीं है। जबकि तेजस्वी ने जिस ई.पी.आई.सी. नंबर आरएबी 0456228 के आधार पर 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव लड़े, वो आधिकारिक रिकॉर्ड में मौजूद है।

बिहार एनडीए के घटक दलों के प्रवक्ताओं ने रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी और राजद के नेता तेजस्वी यादव पर जमकर सियासी हमला बोला।

एनडीए प्रवक्ताओं ने दो ई.पी.आई.सी. नंबर पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह आया कहां से? कोई भी व्यक्ति दो मतदाता पहचान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकार ने 35 जरूरी दवाओं की कीमत घटाई

नई दिल्ली, 03 अगस्त। राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब कई जरूरी दवाएं पहले से सस्ती मिलेंगी। सरकार ने 35 जरूरी दवाओं की कीमत घटा दी है, जिससे दिल, डायबिटीज, मानसिक रोग और इंफेक्शन जैसी बीमारियों के मरीजों को सीधी राहत मिलेगी।

ये फैसला रसायन और उर्वरक मंत्रालय ने एनपीपीए की सिफारिश पर लिया है। इसके तहत जिन दवाओं की कीमतें कम की गई हैं, वह लंबे समय से चल रही बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होती हैं।

प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के अंतर्गत आने वाले प्रमुख

- **नोटिफाइड कीमतों की पालना नहीं करने पर दंडात्मक प्रावधान लागू होंगे।**

फॉर्मूले में एसिक्लोफेनाक, पैरासिटामोल और ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन, एमोक्सिसिलिन और पोटेशियम क्लैवुलनेट के फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन, एटोरवास्टेटिन कॉम्बिनेशन और एम्पैग्लिफ्लोजिन, सिटाग्लिप्टिन और मेटफॉर्मिन जैसे नए ओरल एंटीडायबिटिक कॉम्बिनेशन शामिल हैं।

नोटिफाइड कीमतों का पालन न करने पर डीपीसीओ, 2013 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत दंडात्मक प्रावधान लागू हो सकते हैं, जिसमें ब्याज सहित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

मस्तिष्क इन्द्रियों की अपेक्षा महान है, शुद्ध बुद्धिमत्ता मस्तिष्क से महान है, आत्मा बुद्धि से महान है, और आत्मा से बढकर कुछ भी नहीं है। –स्वामी शिवानंद

हमारे बच्चे और सोशल मीडिया

क्या आप जानते हैं कि हम भारतीय सोशल मीडिया का कितना प्रयोग करते हैं? शायद यह बात आपके लिए भी चौंकाने वाली हो कि पूरी दुनिया में सोशल मीडिया का सबसे ज़्यादा प्रयोग हम भारतीय ही करते हैं। हमारे यहां एक व्यक्ति औसतन 11 प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय रहता है और हर दिन लगभग 7.3 घण्टे स्क्रीन पर (मोबाइल या अन्य) व्यतीत करता है। समझा जा सकता है कि जब बड़े इतना समय स्क्रीन को देते हैं तो अपने बच्चों को इसका इस्तेमाल करने से शायद ही रोक पाते होंगे। वैसे भी कोरोना काल में तत्कालीन विवशताओं की वजह से शिक्षा के लिए मोबाइल का प्रयोग अपरिहार्य हो गया था। जो मां–बाप अपने बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहते थे उन्हें भी आगे बढ़कर अपने बच्चों के हाथों में मोबाइल देना पड़ा था। और उसके बाद बहुत मुमकिन है कि उनमें से बहुत सारे लोग उस मोबाइल को वापस लेना भूल गए हों।

हम अपने चारों तरफ देखते हैं कि अधिकांश मां–बाप अपने बच्चों के प्रति अपने लाड़ का प्रदर्शन करने के लिए औचित्य की बहुत सारी सीमाओं की अनदेखी कर जाते हैं। वे बच्चों को बिना रोक–टोक के फास्ट फूड का उपभोग करने देते हैं, ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने का पात्र बनें उससे पहले वे उन्हें अपने वाहनों की चाबियां सौंप देते हैं और लाड़–लाड़ में न केवल उन्हें मोबाइल का निर्बाध प्रयोग करने देते हैं, ख़ुद आगे बढ़कर उन्हें मोबाइल खरीद कर भी दे देते हैं। अगर मां–बाप न दें या देने की स्थिति में न हों तो बच्चे ख़ुद लड़–झगड़कर हासिल कर लेते हैं। बहुत बार यह भी देखा गया है कि ये सारी गतिविधियां करते हुए मां–बाप लज्जित नहीं गर्वित होते हैं।

इन बहुत सारी बातों के बीच से आज हम चर्चा यह करना चाह रहे हैं कि क्या बच्चों को सोशल मीडिया का निर्बाध या सीमित उपयोग करने देना चाहिए? यह सवाल इसलिए भी उठ रहा है कि हाल में ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने घोषणा की है कि सन 2025 की पहली दिसम्बर से वहां सोलह बरस से कम उम्र के बच्चे यूट्यूब का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। इस निषेध का उल्लंघन करने पर यूट्यूब को 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियन डॉलर अर्थात लगभग 282 करोड़ रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। असल में वहां की सरकार ने एक अध्ययन करवाया था जिससे ज्ञात हुआ कि ऑस्ट्रेलिया में 10 से 12 बरस की आयु के 68 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से यूट्यूब देखते हैं और यूट्यूब का एल्गोरिदम कुछ इस तरह का है कि वह बच्चों को ख़तरनाक स्टंट, हिंसा, डरावने दृश्यों और अश्लीलता भरे वीडियो या शॉर्ट्स बार–बार दिखाता है। इस कारण इन बच्चों में बहुत तेज़ी से डोपामाइन साइकल बनने लगा है और इसका कुप्रभाव उनकी नींद, पढ़ाई और मानसिकता पर पड़ रहा है। यहीं यह भी जान लें कि ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के लिए टिकटॉक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट और फ़ेसबुक का प्रयोग पहले से वर्जित है।

इसी क्रम में यह भी जान लिया जाए कि ऑस्ट्रेलिया के अलावा भी दुनिया के बहुत सारे देशों में बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग पर बंदिशें लागू हैं। फ्रांस में 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे बग़ैर माता–पिता की अनुमति के सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। और जैसे इतना ही पर्याप्त न हो वहां तो 15 वर्ष की उम्र तक के बच्चों द्वारा मोबाइल के उपभोग को पूरी तरह बंद करने के मामले में भी एक ट्रायल चल रही है। फ्रांस की ही तरह जर्मनी में भी 13 से 16 वर्ष तक की आयु के बच्चे बग़ैर मां–बाप की अनुमति के सोशल मीडिया का प्रयोग नहीं कर सकते हैं। बेल्जियम में यह प्रतिबंध 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रभावी है। चीन में 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए बहुत कड़े नियम लागू हैं। वहां टिकटॉक के चीनी संस्करण के नियमित उपयोग की दैनिक सीमा केवल 45 मिनिट है और रात 10 से सुबह 6 बजे तक इसका उपयोग किया ही नहीं जा सकता है। युनाइटेड किंगडम का 2023 का ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर कड़े प्रतिबंध लागू करता है। इसमें उपयोग कर्ता की उम्र का सत्यापन भी शामिल है। दक्षिणी कोरिया में काफी पहले, सन 2011 में ही शटडाउन कानून लागू कर दिया गया था जिसमें 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को रात 10.30 बजे से सुबह 6 बजे तक ऑनलाइन गेमिंग का प्रयोग करने से रोका गया था। यह बात अलग है कि वहां बाद में यह प्रतिबंध हटा लिया गया। संयुक्त राज्य अमरीका में चिल्ड्रन्स ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के अन्तर्गत 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की निजी जानकारी एकत्रित करना वर्जित है। और यूरोपीय संघ, फ्रांस और स्पेन जैसे देश 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया प्रयोग के लिए मां–बाप की सहमति अनिवार्य करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

> **हमारे यहां अगर कानून बन भी जाएगा तो यह निश्चित मानिए कि उसके पालन से ज़्यादा उसका उल्लंघन होगा, और अंततः वह कानून मज़ाक बन कर रह जाएगा। अधिकांश मां-बाप में इस समझ का अभाव है कि मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग उनके बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्हें यह बात समझाने का न तो किसी में धैर्य है, न उत्साह और न इच्छा।**

अब ज़रा एक नज़र अपने देश की स्थिति पर भी डाल लें। अप्रैल 2024 में हमारे सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर हुई थी जिसमें 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग को प्रतिबंधित करने की मांग की गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने संसद का विचारणीय विषय बताते हुए इस याचिका को खारिज़ कर दिया। असल में अभी भारत में बच्चों के सोशल मीडिया उपभोग को प्रतिबंधित करने पर कोई गंभीर विचार नहीं हो रहा है। इसकी बजाय हम सामाजिक सहमति, अभिभावकों के विवेक और डेटा सुरक्षा पर भरोसा कर रहे हैं।

सोशल मीडिया और स्क्रीन के प्रयोग, प्रयोग के सीमा उल्लंघन और प्रयोग के ख़तरों से हम सभी वाक़िफ़ हैं। बच्चों के हाथ में जब स्क्रीन होता है तो वे उस पर किस तरह का कंटेंट देखते हैं, इस बात पर बड़ों का बहुत कम नियंत्रण संभव होता है। भारत जैसे देश में जहां मां–बाप अपनी रोज़ी–रोटी की समस्याओं में बहुत बुरी तरह उलझे होते हैं, उनसे यह उम्मीद करना कि वे यह देखेंगे कि बच्चे मोबाइल या कंप्यूटर का उपयोग किस काम के लिए कर रहे हैं, उनके प्रति ज़्यादती ही होगा। स्कूलों की जो हालत है,ख़ास तौर पर सरकारीस्कूलों की, वहां काम के बोझ से दबे (और कभी–कभी काम से बचने वाले भी) अध्यापकों से कोई उम्मीद की ही नहीं जा सकती। यह भी सही है कि आज मोबाइल हम सबके लिए इतना अपरिहार्य हो गया है कि उससे बच्चों को वंचित रखना व्यावहारिक नहीं रह गया है। मोबाइल तो उन्हें देना ही पड़ेगा। और जब आप उन्हें यह उपकरण सौंप देंगे तो फिर वे उसका कैसा उपयोग करेंगे, यह तय करना आपके लिए बहुत कठिन है।

और बात केवल बच्चों ही नहीं है। यह भी देखा जाए कि बड़े भी मोबाइल के किस तरह एडिक्ट हो चुके हैं। इस बात की विस्तृत विवेचना अनावश्यक है। अब जो मां–बाप ख़ुद मोबाइल से चिपके हुए हैं वे अपने बच्चों को इसका प्रयोग करने से कैसे रोकेंगे? बहुत बार तो हम देखते हैं कि मां–बाप इस बात पर गर्व करते हैं कि उनका शिशु मोबाइल के बग़ैर खाना तक नहीं खाता है या उनका बारह वर्ष का बेटा किस फर्राटे से स्कूटर दौड़ाता है। यह बताते हुए उनके चेहरे पर अपराध बोध नहीं गर्व झलकता है। बहुत सारे शिक्षक बताते हैं कि अगर वे बच्चों को फास्ट फूड का प्रयोग करने से रोकते हैं तो उनके मां बाप लड़ने के लिए आ जाते हैं।

ऐसे में भारत जैसे देश की स्थितियां अन्य देशों से बहुत अलग है। हमारे यहां अगर कानून बन भी जाएगा तो यह निश्चित मानिए कि उसके पालन से ज़्यादा उसका उल्लंघन होगा, और अंततः वह कानून मज़ाक बन कर रह जाएगा। अधिकांश मां–बाप में इस समझ का अभाव है कि मोबाइल और सोशल मीडिया का अत्यधिक प्रयोग उनके बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। उन्हें यह बात समझाने का न तो किसी में धैर्य है, न उत्साह और न इच्छा। ऐसे में जो समझदार लोग हैं वे दुखी होते रहेंगे, और उनके बच्चे यह देखकर अपने मां–बाप पर कुढ़ते रहेंगे कि उनके अन्य दोस्तों के मां–बाप जिस काम के लिए अपने बच्चों को बिल्कुल भी नहीं रोक रहे हैं, उसी काम के लिए उनके मां–बाप उनसे रोज़ किच–किच क्यों करते हैं ! ऐसे में बस यही संभावना बची रहती है कि जो मां–बाप इस बात को समझते हैं वे अपने बच्चों के सोशल मीडिया और स्क्रीन प्रयोग पर निगाह रखें और प्रयास करें कि बच्चे इनका सीमित प्रयोग करें।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

छात्रसंघों के चुनाव : छात्रों ने बजाया आंदोलन का बिगुल

बालमुकुंद ओझा

राजस्थान के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में बीते 2022 के बाद से छात्र संघ चुनाव नहीं हुए है। छात्रों के साथ ही छात्र संगठन लगातार चुनाव की मांग करते आ रहे हैं। गहलोत सरकार ने 2023 में विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव स्थगित किये थे। इसके बाद आई भाजपा सरकार ने भी चुनाव कराने की कोई घोषना नहीं की है। दिल्ली विश्व विधालय छात्र संघ के चुनावों के बाद राजस्थान में भी छात्र संघों के चुनावों की मांग जोर शोर से उठ रही है। राजस्थान में छात्रसंघ चुनावों को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं छात्र संघों के चुनाव कराने को लेकर छात्र नेताओं ने आंदोलन का बिगुल बजा दिया है। छात्रों ने सरकार द्वारा छात्र संघों के चुनाव नहीं कराने के फैसले के विरोध में उठा आंदोलन शुरू किया है। इसको लेकर छात्र संघों व छात्र नेताओं का गुस्सा लगातार उबाल मार रहा है। छात्र राजनीति पूरी तरह ठप पड़ी है।छात्र नेताओं का कहना है लोकतंत्र का पहला दरवाजा छात्र संघ होता है। छात्र संघ से युवा निष्पक्ष चुनाव, मतदान व प्रचार का ककहरा सीखते हैं। निर्वाचित छात्रसंघ न होने से छात्रों की समस्याएं अनसुनी रह जा रही हैं और प्रतिनिधित्व का अभाव गहरी निराशा पैदा कर रहा है। छात्र संगठनों व छात्र नेताओं का आरोप है कि राज्य सरकार जान–बूझ कर चुनाव की प्रक्रिया को टालता आ रहा है। राजस्थान विश्व विधालय छात्र संघ देशभर में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है।

यहां के छात्र नेता सिर्फ यूनिवर्सिटी अथवा कॉलेज तक सीमित नहीं रहते, बल्कि आगे चलकर देश और प्रदेश की राजनीति में अपनी अमिट छाप छोड़ते हैं। जो इस सीढ़ी को चढ़ गया वह राजनीति के ऊंचे मुकाम तक पहुंच जाता है। छात्र संघ के कई नेता बाद में राजनीति के दिग्गज चेहरे भी बने हैं। प्रदेश में कई साल से छात्र संघ चुनाव नहीं हो रहे हैं, लेकिन आज भी प्रदेश की सियासत में छात्र राजनीति से निकले नेताओं का बोल बाला है। छात्र संघ चुनाव में राजनीति का पहला ककहरा सीखा जाता है। केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, मंत्री और विधायक तक हर स्तर पर प्रभावशाली नेता दिए हैं। छात्र संघ की जड़ें गहराई तक फैली हुई हैं, जो न केवल छात्रों की समस्याओं के समाधान का मंच रहा है, बल्कि प्रदेश की सियासत को भी दिशा देने वाला स्तंभ साबित हुआ है। समय की माँग है कि छात्र संघ को फिर से जीवित किया जाए।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने विधानसभा चुनावों के मधे नज़र राज्य के विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में होने वाले छात्रसंघ चुनावों पर रोक लगा दी थी। अब कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत छात्र संघ चुनाव कराने की मांग कर रहे है। गहलोत ने ही अपने कार्यकाल में चुनावों पर रोक लगाई थी जो भाजपा सरकार के दौरान भी बदसतूर जारी है। राज्य की राजनीति में आज भी कई ऐसे नेता उच्च पदों पर आसीन हैं, जिन्होंने छात्र राजनीति से अपना सियासी सफर शुरू किया है। आज देश की लगभग 60 प्रतिशत आबादी युवा है। जो अपने मताधिकार का उपयोग कर देश तथा प्रदेश की सरकारें बनाती हैं। इतनी बड़ी आबादी का वोट सरकारें तय करती है। दूसरी तरफ छात्र संघों के चुनाव प्रदेशभर में प्रतिबंधित हैं। यह विचारणीय है।

एक छात्र नेता ने यूनिवर्सिटी की राजनीति से निकले राजस्थान के प्रसिद्द नेताओं के कटआउट लगाकर अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया और छात्र संघ चुनाव की मांग की। राजस्थान विश्वविद्यालय में लगाए कटआउट के जरिये बताया गया कि अनेक नेता और मंत्री छात्र संघों के जरिये सियासत में अपनी मज़बूत स्थिति संभाले हुए है। छात्र संघ चुनाव की बदौलत ही आज देश और प्रदेश को ऐसे संघर्षशील नेता मिलें है जो हर परिस्थिति मैं पीड़ितों ओर शोषितों की आवाज मजबूती से उठाते है। छात्र नेताओं का कहना है कि छात्रसंघ चुनाव राजनीति की पहली सीढ़ी है और इस पर रोक नहीं लगनी चाहिए। प्रदर्शन में छात्र राजनीति से निकल मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक बनने वाले अशोक गहलोत, डॉक्टर सीपी जोशी, कालीचरण सर्राफ, हनुमान बेनीवाल, रघु शर्मा, सतीश पूनिया, प्रताप सिंह खाचरियावास, विकास चौधरी, महेंद्र चौधरी, रविंद्र सिंह भाटी, मनीष यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, राजेंद्र राठौड़, अशोक लाहोटी, हरीश चौधरी, राजपाल सिंह शेखावत, रामलाल शर्मा,मुकेश भाकर, रामनिवास गवाड़िया, अभिमन्यु पूनिया और राजकुमार शर्मा के कट–आउट लगाए थे।

सरकार ने लिंगदोह समिति की शर्तों की पालना नहीं होना भी चुनाव नहीं कराने का एक कारण बताया है। देखा जाता है छात्र संघ चुनावों में लिंगदोह समिति की अचार संहिता की सरेआम धज्जियां उड़ाई जाती है। चुनाव एक मखौल बनकर रह जाता है। जाति और धनबल का खुला प्रदर्शन देखने को मिलता है। हिंसात्मक घटनाएं आम हो गई है। लिंगदोह समिति ने देश के विश्वविद्यालयों में होने वाले छात्रसंघ चुनावों के लिए कुछ सिफारिशें जारी की थीं, जिनका उद्देश्य बाहुबल और धनबल के प्रभाव को रोकना और चुनाव प्रक्रिया को सुचारु रूप से चलाना था। सिफारिशों के अनुसार, कोई छात्र केवल एक बार चुनाव लड़ सकेगा, और चुनाव में अधिकतम 5,000 रुपये खर्च किए जा सकेंगे। उम्मीदवार और उनके संगठन पर चुनावी चंदा लेने पर प्रतिबंध रहेगा। चुनाव में सार्वजनिक स्थानों पर पोस्टर, विज्ञापन और बैनर पर पूरी तरह प्रतिबंध होगा कॉलेज परिसर में किसी प्रकार के हथियार लाने पर भी प्रतिबंध रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जाएगा, और उस साल की परीक्षा में भी वह वंचित हो जाएगा। वास्तविकता में लिंगदोह समिति की सिफारिशें कागजों में दबकर रह गई है।

–बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

ब्लैक बोर्ड से स्मार्ट बोर्ड का सफर – राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट शिक्षा की ओर बढ़ते कदम

डॉ. अमृता कटारा

जयपुर। राजस्थान के राजकीय विद्यालय अब परंपरागत शिक्षण विधियों से आगे बढ़कर डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके हैं। ब्लैकबोर्ड और किताबों की सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए अब कक्षाएं स्मार्ट स्क्रीन, प्रोजेक्टर और डिजिटल कंटेंट से सजी हैं। राज्य सरकार की सूचना एवं संचार तकनीक योजना के तहत वर्ष 2024 तक 13,976 सरकारी विद्यालयों में आईसीटी लैब्स की स्थापना की जा चुकी है। इनमें से 13,411 लैब माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर कार्यरत हैं जबकि 565 आदर्श विद्यालयों को भी इस नेटवर्क से जोड़ा गया है। प्रदेश के 13 हजार से अधिक विद्यालयों में 17,421 स्मार्ट क्लासों की स्थापना भी की गयी है।

इन लैब्स के माध्यम से विद्यार्थी अब बेसिक कंप्यूटर ज्ञान के साथ ई–मेल, एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, एमएस पावर पॉइंट आदि सॉफ्टवेयर पर कार्य करना, इंटरनेट सर्चिंग, विषय आधारित वीडियो लेक्चर देखना और इंटरएक्टिव डिजिटल कंटेंट से परिचय भी सीख रहे हैं। इससे खासतौर पर ग्रामीण व दूरस्थ अंचलों के विद्यार्थी तकनीकी साक्षरता की ओर अग्रसर हो रहे हैं और राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर की शिक्षा से जुड़ने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं।

शिक्षक- विद्यार्थी दोनों हो रहे डिजिटल रूप से दक्ष–ये प्रयोगशालाएं केवल उपकरणों का जमावड़ा भर नहीं हैं बल्कि यह एक सशक्त डिजिटल कक्षा के रूप में विकसित की गई हैं, जहां विद्यार्थियों में तकनीकी दक्षता के साथ–साथ आत्मविश्वास, संवाद कौशल और निर्णय लेने की क्षमता जैसे जीवनोपयोगी गुणों का भी विकास हो रहा है। प्रत्येक लैब में कंप्यूटर, प्रिंटर, यूपीएस, आवश्यक शैक्षिक सॉफ्टवेयर और इंटरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था की गई है। साथ ही फर्नीचर, पावर बैकअप और सुरक्षा के मानकों का भी ध्यान रखा गया है ताकि तकनीकी शिक्षण में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।

राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक विद्यालय में एक प्रशिक्षित आईसीटी प्रभारी शिक्षक की नियुक्ति की गई है जो न केवल लैब का संचालन करते हैं बल्कि विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षण में मार्गदर्शन भी प्रदान करते हैं। यह शिक्षक समय–समय पर विद्यालय के अन्य स्टाफ व प्रशासन को भी डिजिटल उपकरणों के प्रभावी उपयोग हेतु प्रशिक्षित कर रहे हैं जिससे विद्यालय समग्र रूप से डिजिटल रूपांतरण की दिशा में अग्रसर हो रहा है।

तकनीक बनी सीखने का माध्यम– आज के विद्यार्थी केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं हैं। वे इंटरनेट के माध्यम से विषयवस्तु की खोज करने, डिजिटल नोट्स तैयार करने, वर्चुअल क्विज़ में भाग लेने और ऑनलाइन कक्षाओं का हिस्सा बनने में पूरी तरह सक्षम हो रहे हैं। आईसीटी लैब्स एवं स्मार्ट क्लास ने विद्यार्थियों के भीतर आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया है। अब विद्यार्थी कंप्यूटर को केवल गेमिंग या मनोरंजन का माध्यम नहीं बल्कि अपने भविष्य निर्माण का एक शक्तिशाली औजार समझने लगे हैं। राज्य के शिक्षा अधिकारियों द्वारा विभिन्न विषयों पर ई–क्लास वीडियो, एनिमेटेड प्रजेंटेशन और पावरपॉइंट लेक्चर जैसे डिजिटल कंटेंट समय–समय पर तैयार किए जा रहे हैं। ये सामग्री आईसीटी लैब्स के माध्यम से विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाती है। इससे न केवल विद्यार्थियों की समझ में सुधार हुआ है बल्कि विज़ुअल लर्निंग के कारण उनकी याददाश्त और विषय पर पकड़ भी पहले से बेहतर हो रही है। यह दृष्टिकोण परंपरागत शिक्षा प्रणाली से हटकर एक सहभागी और बहुआयामी शिक्षण वातावरण की ओर बढ़ता कदम है।

मॉडल राज्य के रूप में स्थापित होगा राजस्थान –शिक्षा विभाग के प्रयास और सूचना एवं संचार तकनीक के माध्यम से राज्य के राजकीय विद्यालय अब डिजिटल इंडिया की रफ्तार से कदमताल कर रहे हैं। आईसीटी लैब्स और स्मार्ट क्लास न केवल विद्यार्थियों को तकनीकी रूप से सशक्त बना रही हैं बल्कि उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार कर रही हैं। यह पहल राजस्थान को न केवल डिजिटल शिक्षा में आत्मनिर्भर बनाएगी बल्कि पूरे देश के लिए एक मॉडल राज्य के रूप में स्थापित करेगी।

–डॉ. अमृता कटारा,
सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग

मीरा महोत्सव में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मीरा बाई के दर्शन किये

मेड़ता सिटी, (निसं)। विश्व ऐतिहासिक चारभुजानाथ के 521वें मीरा जयंती महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने शिरकत की।

महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने चारभुजानाथ व रजत रेवाड़ी के दर्शन कर महिलाओं के साथ भजनों का लाभ उठाया व महोत्सव में मीरा स्मारक के कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रही। वहीं महिला बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार, किसान आयोग अध्यक्ष सीआर चौधरी, मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू, खींवसर विधायक रेवतराम डांगा, जनता प्रधान संदीप चौधरी, मेड़ता नगरपालिका अध्यक्ष शोभा लाहोटी, किन्नर समाज गादीपति राजकुमारी बाई कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर मीरा जयंती महोत्सव समिति के अध्यक्ष व पूरी टीम के द्वारा उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी को स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। मीरा महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने मीरा बाई के दर्शन किये।

इस मौके पर दीया कुमारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेड़ता मीरा की नगरी है, यहां आने का मौका इस महोत्सव में ही मिलता है। दीया कुमारी ने कहा कि मेड़ता में जो भी विकास कार्य होंगे वो गुणवत्ता के साथ होंगे। मेड़ता में एक पैरोनमा जल्द ही बनने जा रहा है, उसकी डीपीआर तैयार हो रही है। भारत सरकार व राजस्थान सरकार पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भी कार्य कर रहे हैं। वहीं जहां पर कोई भगवान या भक्त सहित कई लोगों के सर्किल उनके नाम से निर्माण कराने का प्रस्ताव जन प्रतिनिधियों द्वारा आयेगा उस पर कार्य किए जाएंगे।

महिला बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार ने कहा मेड़ता भक्ति भाव की नगरी है। यहां के नागरिक प्रेम भाव से भरे हुये हैं। मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी द्वारा मीरा महोत्सव को सरकारी कैलेंडर में स्थान दिलाने पर पूरा मेड़ता इनका आभारी है। मेड़ता से इनका सम्बन्ध पुराना है। इसलिए मेड़ता क्षेत्र में विकास की गंगा बही है और गुणवत्ता के साथ सड़कों का निर्माण करवाया है। इस मौके पर उपखंड अधिकारी पूनम चोयल, जितेंद्र गहलोत मीरा महोत्सव समिति अध्यक्ष, सचिव रविप्रकाश कमेडिया, विरमदेव सिंह जैसास, अभय सिंह भेसड़ा, ऋषभ राठी, लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा, उमा शर्मा रजत, दशरथ सारस्वत, कैलाश गौड, मोहित माली, रवि गहलोत सहित कई लोग मौजूद थे।

मीरा महोत्सव में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने महिलाओं के साथ भजनों का आनंद लिया।

- **'मेड़ता में एक पैरोनमा जल्द ही बनने जा रहा है, उसकी डीपीआर तैयार हो रही है'**
- **दीया कुमारी ने चारभुजानाथ व रजत रेवाड़ी के दर्शन कर महिलाओं के साथ भजनों का लाभ उठाया**

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 4 अगस्त, 2025

सावन मास, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, अनुराधा नक्षत्र प्रातः 9:13 तक, ब्रह्म योग प्रातः 7:05 तक, गर करण दिन 11:42 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कर्क, चन्द्रमा–वृश्चिक, मंगल–कन्या, बुध–कर्क, गुरू–मिथुन, शुक्र–मिथुन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रातः 9:13 तक है। रवियोग सम्पूर्ण दिन–रात रहेगा। भद्रा रात्रि 12:47 से आरम्भ होगी। आज चतुर्थ सावन वन सोमवार व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:36 तक, शुभ 9:15 से 10:54 तक, चर 2:12 से 3:51 तक, लाभ–अमृत 3:51 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:56, सूर्यास्त 7:09

मेष
पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में स्वास्थ्य परेशानी हो सकती है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

वृष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मिथुन
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। किसी भी कारण से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कर्क
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन–मतभेद हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त–व्यस्त हो सकती है।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है।

तुला
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

बिजली कटौती से लोगों में आक्रोश

सूरतगढ़, (कासं)। यहां बीते कुछ दिनों से अघोषित विद्युत कटौती से आमजन परेशान है। दिन में भी जहां कई बार कट लग रहे हैं। रात में भी कई कई घंटे की बिजली कटौती से लोग चैन से सो भी नहीं पा रहे हैं। हालत यह है कि आधी रात को लोगों को विद्युत विभाग के कार्यालय में पहुंचकर प्रदर्शन करना पड़ रहा है। दिन रात हो रही विद्युत कटौती के कारण शहर के लोगों में आक्रोश पनप रहा है और इसके लिए सोमवार से धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी है। कांग्रेस सेवादल के सतनाम वर्मा ने रविवार को बताया कि वैसे तो लंबे समय से अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। मगर शुक्रवार को आई बरसात के बाद से तो बिजली व्यवस्था बेपटरी हो गई है। शहर में पानी भरने के कारण शुक्रवार को दिनभर बिना बिजली के लोगों को रहना पड़ा था। रात को भी 2 से 3 बार बिजली की कटौती झेलनी पड़ी। शनिवार को भी पूरे दिन बिजली का आना-जाना जारी रहा। मगर रात्रि के समय तो हालात और भी खराब हो गए जब 11:30 बजे गुल हुई बिजली रात 3 बजे बहाल हुई। वर्मा ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में डिस्कॉम अधिकारी से भी बात की लेकिन उन्होंने हर बार जल्द बहाली का आश्वासन दिया। इसके बाद परेशान होकर वरिष्ठ नेता बलराम वर्मा, कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता योगेश मेघवाल, पूर्व पार्षद शंकरलाल नायक, कमल रैना, राहुल सहारण, विपिन कुमार, विक्की, राजेश, जगदीश सिंह, सुरेश सहित वार्डवासियों ने डिस्कॉम कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया।

'डिजिटल युग में साहित्य का यह नवाचार प्रेरणादायक होगा'

■ इस वेबसाइट मंच पर कहानी, कविता, निबंध, संवाद, समीक्षा और साक्षात्कार जैसे विभिन्न साहित्यिक विधाओं को प्रमुखता से शामिल किया गया है

बीकानेर, (कासं)। साहित्य और तकनीक के संगम का एक महत्वपूर्ण क्षण तब सामने आया जब केन्द्रीय कानून एवं संसदीय कार्य और संस्कृति मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने युवा साहित्यकार अरमान नदीम की नवाचार पूर्ण साहित्यिक वेबसाइट का लोकार्पण किया। इस डिजिटल मंच का उद्देश्य हिन्दी साहित्य को वैश्विक पटल पर पहुंचाना और नवोदित लेखकों को एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है।

समारोह का आयोजन केन्द्रीय मंत्री के बीकानेर स्थित आवास पर किया गया। अरमान नदीम ने बताया कि शब्द संवाद ना केवल साहित्य को समर्पित है बल्कि इसमें युवा रचनाकारों, पत्रकारों और साहित्य प्रेमियों के लिए भी पर्याप्त स्थान दिया गया है। इस वेबसाइट मंच पर कहानी, कविता, निबंध, संवाद, समीक्षा और साक्षात्कार जैसे विभिन्न साहित्यिक विधाओं को प्रमुखता से शामिल किया गया है।

अर्जुनराम मेघवाल ने कहा डिजिटल युग में साहित्य का यह नवाचार अत्यंत प्रेरणादायक साबित होगा। मेघवाल ने कहा कि यह एक सराहनीय पहल है, जो ना केवल भारतीय साहित्य को तकनीक से जोड़ती है, बल्कि उसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम भी बनती है। डिजिटल युग में जब सब कुछ ऑनलाइन हो रहा है। ऐसे में साहित्य को इस तरह प्रस्तुत करना न केवल प्रासंगिक है, बल्कि यह समय की आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से नई पीढ़ी को हिन्दी साहित्य से जोड़ने में सहायता मिलेगी। आज का युवा इंटरनेट पर है और यदि साहित्य वहां नहीं पहुंचा तो एक पीढ़ी साहित्य से कट जायेगी। ऐसे में शब्द संवाद जैसे प्रयास भविष्य के लिए दिशा निर्धारण करते हैं। वेबसाइट के संचालक और साहित्यकार अरमान नदीम ने बताया कि इस मंच की परिकल्पना उन सभी साहित्य प्रेमियों को ध्यान में रखकर की है, जो गांव, कस्बों और छोटे शहरों में रहकर भी अपनी आवाज़ को व्यापक स्तर पर पहुंचाना चाहते हैं। यह सिर्फ एक वेबसाइट नहीं बल्कि एक साहित्यिक आंदोलन की शुरूआत है। उन्होंने बताया कि वेबसाइट पर पहले ही कई नामचीन साहित्यकारों के साक्षात्कार, युवा लेखकों की कविताएं, तथा समसामयिक विषयों पर आलेख प्रकाशित हो चुके हैं। भविष्य में वीडियो संवाद, ई-पुस्तक प्रकाशन और लाइव काव्य गोष्ठियों की भी योजना है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने की मुलाकात : भारतीय जनता पार्टी बीकानेर शहर जिला अध्यक्ष सुमन छाजेड के नेतृत्व में नवनियुक्त बीकानेर शहर जिला पदाधिकारियों ने केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल से शिष्टाचार मुलाकात की और अभिनंदन किया। केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि जिला टीम में युवा जोश और अनुभव दोनों को पर्याप्त स्थान मिला है। जिलाध्यक्ष सुमन छाजेड और नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल को विश्वास दिलाया कि नवनियुक्त जिला टीम संगठन हित में निरंतर कार्यरत रहेगी तथा भाजपा की जनहितकारी नीतियों का प्रचार प्रसार करने का कार्य करते हुए संगठन को दृढता प्रदान करेगी। नवनियुक्त बीकानेर शहर जिला पदाधिकारियों में जिला महामंत्री श्याम सिंह हाडला , जिला महामंत्री कौशल शर्मा, मोतीलाल हर्ष, अशोक प्रजापत, सरिता नाहटा , किशन मोदी, सोहनलाल प्रजापत, सुनीता हटीला, झमकू देवी मारू , तरुण स्वामी , विनोद करोल, सुमन कंवर शेखावत, चंद्रप्रकाश गहलोत, चंद्रशेखर शर्मा, मंजूषा भास्कर, सुशील आचार्य, रघुवीर प्रजापत, रामकुमार व्यास, दुष्यंत तंवर आदि उपस्थित थे।

श्रीगंगानगर में बंधों से रिस रहा बरसाती पानी

■ दर्पण एनक्लेव के मकानों को खतरा, स्थानीय लोग खुद कर रहे हैं लीकेज रोकने का प्रयास

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर में लगातार हुई बारिश के कारण सूरतगढ़-पदमपुर बायपास रोड के पास भारी मात्रा में बरसाती पानी जमा हो गया है। प्रशासन द्वारा पानी रोकने के लिए लगाए गए बंधे अब जवाब दे रहे हैं। कई स्थानों पर पानी का रिसाव शुरू हो गया है। इससे आसपास के रिहायशी इलाकों, विशेषकर दर्पण एनक्लेव के मकानों को खतरा पैदा हो गया है।

दर्पण एनक्लेव के निवासियों ने चिंता जताई है कि अगर रिसाव पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो उनके मकानों की नींव कमजोर हो सकती है। दीवारों में सीलन आने का भी खतरा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे लोगों में नाराजगी है। निवासियों ने बताया कि उन्होंने प्रशासन को कई बार इस समस्या से अवगत कराया है, लेकिन हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिला है। अब जब बंधों से पानी रिसने लगा है, तो लोगों ने खुद ही अपने स्तर पर लीकेज रोकने का प्रयास शुरू कर दिया है। कई लोगों ने अपने घरों के बाहर मिट्टी और रेत की बोरियां लगाकर पानी के बहाव को रोकने की कोशिश की है।

स्थानीय लोगों की मांग है कि प्रशासन तुरंत इलाके का दौरा करे और बंधों को मजबूत करे। साथ ही जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए। इससे भविष्य में ऐसी स्थिति नहीं बनेगी। एक स्थानीय निवासी ने बताया कि हर साल बारिश के मौसम में यही समस्या आती है, लेकिन इस बार पानी की मात्रा अधिक होने के कारण खतरा भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द समाधान नहीं किया गया तो स्थिति और बिगड़ सकती है। इलाके के लोग अब प्रशासन से ठोस कदम उठाने की उम्मीद कर रहे हैं

बारिश में ढही दो बुर्जियां : अनूपगढ़ स्थित ऐतिहासिक गढ़ अब खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। बारिश के दौरान गढ़ की दो बुर्जियां पूरी तरह ढह गई। दो अन्य बुर्जियां भी मिट्टी रिसाव के कारण किसी भी समय गिर सकती जर्जर हो चुकी हैं। इनके साथ लगी 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइनें बड़े हादसे का कारण बन सकती हैं।

कोई भी सरकारी विभाग इस ऐतिहासिक धरोहर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। पालिकाध्यक्ष प्रियंका बैलान ने पार्षदों के साथ गढ़ का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि नगरपालिका गढ़ के जीर्णोद्धार के लिए प्रयासरत है।

सार-समाचार

73.82 फीसदी ने दी आर.पी.वी.टी.

बीकानेर, (कासं)। वेटरनरी विश्वविद्यालय, बीकानेर द्वारा रविवार को बीकानेर, जयपुर, उदयपुर और जोधपुर शहर में 32 केन्द्रों पर पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आर.पी.वी.टी.-2025 सफलता पूर्वक आयोजन किया गया। कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने परीक्षा संचालन के दौरान बीकानेर कंट्रोल रूम से सभी परीक्षा केंद्रों से समन्वय स्थापित किया एवं बीकानेर परीक्षा केन्द्रों पर सुव्यवस्थित निष्पक्ष परीक्षा संपादन हेतु दौरा किया। आर.पी.वी.टी. समन्वयक प्रो. उर्मिला पानू ने बताया कि इस बार राजस्थान प्री वेटरनरी टेस्ट में कुल 13101 परीक्षाथिर्यों को ऑनलाइन प्रवेश-पत्र जारी किए गए थे जिनमें से बीकानेर, जयपुर, उदयपुर और जोधपुर के 32 परीक्षा केन्द्रों पर 9670 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस परीक्षा में 73.82 प्रतिशत अभ्यथिर्यों की उपस्थिति रही। परीक्षा केन्द्रों पर प्रत्येक अभ्यर्थी की मेटल डिटेक्टर, आई.डी. प्रुफ जांच एवं बायोमेट्रीक सत्यापन के पश्चात् प्रवेश दिया गया। परीक्षा की निष्पक्षता को बनाये रखने और परीक्षा में अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर विश्वविद्यालय द्वारा पर्यवेक्षक और सहायक पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए। समस्त परीक्षा केन्द्रों पर पैनी नजर रखने के लिए उड़न दस्तों और पुलिस जाब्तों का बन्दोबस्त किया गया। प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित अभ्यर्थियों की वीडियोग्राफी भी करवाई गई। सम्पूर्ण परीक्षा संचालन के दौरान निदेशक क्लीनिक प्रो. प्रवीण बिश्नोई विभिन्न केन्द्र की समस्याओं के समाधान हेतु उपस्थित रहे। कुलगुरु आचार्य मनोज दीक्षित ने विश्वविद्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों को सफल परीक्षा आयोजन के लिए बधाई दी।

नारी सृजन की बिखरी छटा

बीकानेर, (कासं)। कम्युनिटी वेलफेयर सोसायटी द्वारा शनिवार को शिव पार्वती भवन, गोपेश्वर बस्ती में सावन महोत्सव 2025 - नारी सृजन का उत्सव भव्य रूप से आयोजित किया गया। यह आयोजन नारी शक्ति, संस्कृति और सृजनात्मकता को समर्पित था, जिसमें महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। महोत्सव में रंगोली, मांडना कला, क्ले आर्ट, के साथ-साथ मेहंदी एवं नेल आर्ट प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें महिलाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। विभिन्न श्रेणियों में हुई तीन प्रमुख प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन करने हेतु 15 विशिष्ट अतिथियों ने निर्णायक मंडल के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम में संस्था के भीमराज सेवग, राजकुमार पंवार एवं नंदकिशोर गहलोत सहित अनेक गणमान्य जनों ने भाग लिया।

डिग्गी में डूबने से मां-बेटे की मौत

■ खेलते समय पैर फिसलने से बच्चा डिग्गी में गिरा, मां ने बचाने के लिए लगाई छलांग

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले के श्रीकरणपुर कस्बे के गांव 12 एफए में पैर फिसलने से एक बच्चा पानी की डिग्गी में गिर गया। बच्चे को बचाने के लिए मां ने भी पानी में छलांग लगा दी लेकिन दोनों की जान नहीं बच सकी।

श्रीकरणपुर थानाधिकारी रामप्रताप वर्मा ने बताया कि मृतक बच्चा जशनदीप (10) खेलते समय खेत में बनी एक सिंचाई डिग्गी में गिर गया। बेटे को पानी में डूबता देख मां अमनदीप कौर (28) ने पानी में छलांग लगा दी। लेकिन गहराई अधिक होने और तैरना न आने के कारण मां-बेटे दोनों ही पानी में डूब गए। उसके बाद महिला का छोटा बेटा जब फोन पर बात कराने आया तो मां और बेटे को डिग्गी में तैरते देख शोर मचाया। स्थानीय ग्रामीण ने तुरंत दोनों के शव बाहर निकाल स्थानीय राजकीय अस्पताल में लेकर गए। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

उसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर सीआई रामप्रताप वर्मा, एएसआई बाबू खान और पुलिस टीम पहुंची। फिलहाल शवों को राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस ने महिला के पीहर पक्ष को सूचना दी हैं।

पोस्टमॉर्टम करने डॉक्टर को दीवार चढ़कर जाना पड़ा

■ बारिश का पानी जमा होने से मरीज को भी पानी में से होकर जाना पड़ रहा है

■ जिला प्रशासन ने अभी तक पानी की निकासी नहीं की

अनूपगढ़, (कासं)। बारिश के दो दिन बाद भी जिला अस्पताल परिसर में पानी जमा है। इससे मरीजों और चिकित्सकों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में मोर्चरी रूम के पास जमा पानी के कारण एक शव का पोस्टमॉर्टम करने के लिए डॉक्टर मुरलीधर कुमावत को दीवार पर चढ़कर जाना पड़ा।

डॉ. कुमावत ने बताया कि एक वृद्ध व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिजन शव को जीप में लेकर मोर्चरी पहुंचे थे। लेकिन वहां जमा पानी के कारण मोर्चरी तक पहुंचने का कोई रास्ता नहीं था। मरीजों को भी अस्पताल जाने के लिए पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।

एक मरीज के परिजन राकेश कुमार ने बताया कि उन्हें अस्पताल पहुंचने के लिए पानी से होकर जाना पड़ा। शुक्रवार को अनूपगढ़ क्षेत्र में सुबह 11 बजे तक लगातार 8 घंटे बारिश हुई थी। बारिश के 50 घंटे बाद भी अस्पताल परिसर में पानी जमा है। जिला अस्पताल प्रशासन ने इस समस्या से कई बार जिला प्रशासन को अवगत कराया है, लेकिन अभी तक पानी की निकासी नहीं की गई है। डॉ. कुमावत ने बताया कि पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा अस्पताल के सामने सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन यह कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है। बरसात के पानी की निकासी की व्यवस्था सुचारू नहीं है।

बीकानेर में चोरी की वारदातें बढ़ने से लोगों में आक्रोश

■ बीकानेर, खाजूवाला और कालू थाना इलाके में चोरी की वारदातें लगातार बढ़ी है

बीकानेर, (कासं)। पिछले 2 महीने में चोरियों का ग्राफ अचानक बढ़ गया है। बढ़ती चोरियों को लेकर लोगों में आक्रोश फैला हुआ है।

एरिया डोमिनेशन और रात्रि गश्त के बाद भी पुलिस के हाथ कुछ खास नहीं लग रहा है। चोरों पर और चोरियों पर पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है। खाजूवाला और कालू थाना इलाके में चोरियां लगातार बढ़ी है। खाजूवाला के वार्ड नंबर 5 की तावणिया कॉलोनी में शनिवार को दिनदहाड़े जयकरण पारीक के घर चोरों ने सबसे पहले हाथ साफ किया। इसके बाद दूसरे घरों में पहुंचे। मूंधड़ा के यहां से डेढ़ लाख रुपए नकद और लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए।

दोपहर के समय सुनसान घरों को निशाना बनाया। दूसरी चोरी इसी वार्ड में कृष्ण पारीक के घर में हुई। चोर अलमारी से करीब 7 लाख रूपए के सोने-चांदी के जेवर ले गए। खाजूवाला में तीसरी चोरी वार्ड नंबर 14 में विवेकानंद इंग्लिश स्कूल के सामने गोपाल मूंदड़ा के घर हुई है, जहां चोर मकान का ताला तोड़कर सोने-चांदी के लाखों रुपए के जेवरात चोरी कर ले गए। वहीं लूणकरणसर के कालू थाना क्षेत्र में भी चोरी के 2 मामले दर्ज हुए हैं। यहां वार्ड 12 में रहने वाले गोपालराम ब्राह्मण के घर से 30-35 हजार रुपए नकद और सोने-चांदी के आभूषण चोरी हुए हैं। ये घटना 1 अगस्त की रात की है।

इससे पहले इसी कस्बे के वार्ड 13 में झुमरलाल तावणिया के घर पर भी चोरी हो चुकी है। तावणिया के यहां से चोर सोने के मंगलसूत्र, चांदी के जेवरात सहित कई सामान ले गए। बीकानेर शहर में करीब 1 महीने पहले हुई बैटरी चोरी की पुलिस ने एफआईआर तक दर्ज नहीं की।

कालोटा में दबिश देने गई वन विभाग की टीम पर खनन माफिया ने पत्थर बरसाये

टीम ने खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनूं रेंज के स्टाफ के साथ कालोटा गांव में दबिश दी

वन विभाग की टीम ने दो ट्रैक्टरों को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया।

- पांच किमी तक वन विभाग की गाड़ियों और जब्त ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए दो दर्जन से अधिक बाइक सवार युवकों ने अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकियां दी
- वन विभाग की टीम को चलती बाइक से धमकी देने और भारी संख्या में बाइकों को गाड़ियों के आगे-पीछे दौड़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के खेतड़ी इलाके के कालोटा गांव में रविवार को कार्रवाई करने गई वन विभाग की टीम के सामने खनन माफिया हो गए। टीम पर ना केवल पत्थर बरसाए गए, बल्कि करीब पांच किलोमीटर तक वन विभाग की गाड़ियों और जब्त ट्रैक्टरों को छुड़वाने के लिए दो दर्जन से अधिक बाइकों पर सवार युवकों ने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को धमकियां दी।

एसीएफ कमलचंद ने बताया कि काफी दिनों से सूचना मिल रही थी कि कालोटा वन क्षेत्र स्थित पहाड़ी में अवैध खनन माफिया सक्रिय हो रहे हैं, जिस पर झुंझुनूं डीएफओ गुलजारीलाल जाट के निर्देशन में रविवार को खेतड़ी, चिड़ावा और झुंझुनूं रेंज के स्टाफ के साथ कालोटा गांव में दबिश दी गई। टीम मौके पर पहुंची तो वहां पर करीब डेढ़ दर्जन ट्रेक्टरों में अवैध चेजा पत्थर भरा हुआ था, लेकिन टीम को देखकर सभी ट्रैक्टर इधर-उधर भाग गए। मौके पर टीम ने चार ट्रैक्टरों को पकड़ा और उन्हें अपने साथ ले जाने लगे तो पहाड़ी में छुपे खनन माफियाओं ने पत्थर बरसाने शुरू कर दिए, जिसके चलते महिला वनकर्मी और वाहन बाल-बाल बचे। टीम ने जैसे तैसे दो ट्रैक्टर और एक आरोपी को अपने साथ लिया और मौके से रेंज कार्यालय खेतड़ी के लिए रवाना हुए।

रेंजर विजय कुमार फगेड़िया ने बताया कि खनन माफियाओं में किसी प्रकार का खौफ नहीं दिखा, जिस आरोपी शीशराम को वन विभाग की टीम ने पकड़ा था, उसका ही सगा भाई भागीरथ बाइक पर अपने साथियों के साथ आया। भागीरथ और उसके साथ बड़ी संख्या में युवक करीब दो दर्जन बाइकों पर सवार थे, जिन्होंने कालोटा से लेकर बबाई तक, करीब पांच किलोमीटर तक वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को धमकाने और डराने की कोशिश की। साथ ही जब्त ट्रैक्टर और अपने भाई को छुड़वाने की कोशिश की, लेकिन नाकामयाब रहे। वन विभाग की टीम को चलती बाइक से धमकी देने और भारी संख्या में बाइकों को गाड़ियों के आगे पीछे दौड़ने का वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि खेतड़ी इलाके में खनन माफियाओं की हद तक बेखौफ हो चुके हैं।

वहीं टीम ने दो ट्रैक्टरों को जब्त कर शीशराम नाम के चालक को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है। कार्रवाई टीम में एसीएफ कमलचंद, रेंजर विजय फगेड़िया, वनपाल संजय कुमार, सत्यवीर झाझड़िया, सहायक वनपाल पिंकू कुमार, मनोज कुमार मीणा, ओमप्रकाश, वनरक्षक भारत कुमार, सुमेर सिंह, राधेश्याम गुर्जर कविता कुमारी, सुमन कुमारी, महेंद्र सिंह, वाहन चालक रामकुमार, महिपाल सिंह इत्यादि मौजूद रहे।

प्रदेश के 509 प्रिंसिपल का तबादला, आदेश जारी

- बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को उनके जिले से बाहर अन्य जिलों में भी भेजा गया
- कुछ प्रिंसिपल को एपीओ करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में हाजिरी देने के आदेश दिए

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा विभाग में ट्रांसफर का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के 509 प्रिंसिपल के ट्रांसफर कर दिए गए हैं। बड़ी संख्या में प्रिंसिपल को उनके जिले से बाहर अन्य जिलों में भी भेजा गया है, वहीं कुछ प्रिंसिपल को पदस्थापन की प्रतीक्षा (एपीओ) करते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में हाजिरी देने के आदेश दिए गए हैं। लंबे इंतजार के बाद जारी इस लिस्ट से कुछ प्रिंसिपल अपनी होम डिस्ट्रिक्ट पहुंच रहे हैं, वहीं कुछ को घर से दूर जाना पड़ रहा है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि सभी प्रिंसिपल तुरंत प्रभाव से अपने कार्य स्थल से रिलीव होंगे और नए स्थान पर ज्वाइन करेंगे। 53 पेज के तबादला आदेश में सभी जिलों के प्रिंसिपल शामिल किए गए हैं। कुछ प्रिंसिपल को स्कूल से हटाकर अब ब्लॉक एलिमेंटरी एज्यूकेशन ऑफिसर (बीईओ) बना दिया गया है। इन पद पर आने वाले प्रिंसिपल को अपना गृह जिला छोड़ना पड़ा है। वहीं बीईओ पद से कुछ को वापस स्कूल में प्रिंसिपल बना दिया गया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर कार्यरत कुछ प्रिंसिपल को अब अन्य जिलों में जाना पड़ा है। बीकानेर के अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा ओमप्रकाश गोदारा का ट्रांसफर अब बाड़मेर के राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल ढाको का ताला धनाऊ किया गया है।

जैसलमेर से गोपी किशन व्यास को बीकानेर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में एडीओ की जिम्मेदारी मिली है। उधर, संयुक्त निदेशक माध्यमिक शिक्षा कार्यालय में रामकिशोर को पदस्थापित किया गया है, जो अब तक देराजसर के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल में प्रिंसिपल थे। माध्यमिक शिक्षा निदेशक के स्टाफ ऑफिसर के ऑफिस में मीना खत्री को नई जिम्मेदारी दी गई है। मीना खत्री वर्तमान में राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल देराजसर में प्रिंसिपल पद पर थी। इला पारीक और गोमाराम जीनगर को भी संयुक्त निदेशक बीकानेर ऑफिस में सहायक निदेशक के रूप में लगाया गया है।

गुरु प्रसाद भार्गव को सियासर पंचकोसा के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल से, भरत रामावत को सियाणा भाटियान के सरकारी सीनियर सैकंडरी स्कूल से माध्यमिक शिक्षा निदेशालय लाया गया है। अरविन्द शर्मा को राजकीय सीनियर सैकंडरी स्कूल लालसर से पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय में लगाया गया है। चूरू से संदीप शर्मा को निदेशालय में ही सहायक निदेशक पद पर लगाया गया है।

अनिल कुमार गोगिया को गोविंदसर के सीनियर सैकंडरी स्कूल से निदेशालय में एडीईओ लगाया गया है। दिनेश कुमार आचार्य को भी पहलवान का बेरा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय से अब शिक्षा विभागीय पंजीयक कार्यालय में लगाया गया है। संज्ञा गुप्ता को जयसिंहदेसर मगरा से प्रारम्भिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक पद पर जिम्मेदारी दी गई है। अरविन्द बिट्ठू, रामनिवास, कृष्ण लाल को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में एडीईओ की जिम्मेदारी दी गई है।

जैसलमेर से गोपी किशन व्यास को भी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में पोस्टिंग मिली है। चंद्रहास मेघवंशी को प्रारम्भिक शिक्षा में सीनियर डिप्टी डीईओ और नीतू वर्मा को माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में सहायक निदेशक के पद पर लगाया गया है। अर्चना शर्मा को भी माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में लगाया गया है। प्रिंसिपल की बड़ी लिस्ट के बाद अब एक और लिस्ट जारी हो सकती है। जिसमें शेष रहे प्रिंसिपल के भी तबादले हो सकते हैं। उधर, लेक्चरर, हेड मास्टर और सेकेंड ग्रेड टीचर्स भी ट्रांसफर के इंतजार में है।

नीमकाथाना क्षेत्र के अधिकांश गांवों के लोग फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर

ग्रामीणों ने समस्या के बारे में अनेक बार विभागीय अधिकारियों से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी अवगत कराया, पर कोई ध्यान नहीं दिया गया

- बहुप्रतीक्षित कुंभाराम लिफ्ट परियोजना यदि शुरू हो जाती, तो हजारों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकता था
- ग्रामीणों का कहना है कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने से बच्चों और युवाओं में हड्डियों की कमजोरी, दांतों का खराब होना और अन्य शारीरिक विकृतियां तेजी से फैल रही है

पाटन, (निसं)। प्रदेश के कई ग्रामीण अंचलों में लोग वर्षों से फ्लोराइड युक्त पानी पीने को मजबूर हैं। नीमकाथाना क्षेत्र के अधिकांश गांव के लोगों को फ्लोराइड युक्त पानी पीना पड़ रहा है, जिसको लेकर ग्रामीणों ने अनेक बार विभागीय अधिकारियों से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी अवगत करवाया, परंतु प्रशासन ने भी इस गंभीर समस्या के समाधान की तरफ ध्यान नहीं दिया। इतनी बड़ी समस्या के बावजूद भी न तो कोई सुनने वाला है और न ही कोई बोलने वाला है। राजस्थान और हरियाणा समेत केंद्र में भी भाजपा की सरकार होने के बावजूद बहुप्रतीक्षित कुंभाराम लिफ्ट परियोजना को अभी तक धरातल पर नहीं लाया गया है। यह परियोजना यदि शुरू की जाती, तो हजारों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल मिल सकता था। परंतु स्थितियां जस की तस बनी हुई हैं। ग्रामीणों का कहना है कि फ्लोराइड युक्त पानी पीने से बच्चों और युवाओं में हड्डियों की कमजोरी, दांतों का खराब होना और अन्य शारीरिक विकृतियां तेजी से फैल रही है। इसके साथ ही इलाके में लगातार उड़ती धूल और मिट्टी ने लोगों की सेहत को और खराब कर दिया है। डोकण निवासी मनिष चतुर्वेदी ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि सिर्फ योजनाएं बनती हैं, लेकिन जमीन पर कुछ भी नहीं दिखाई देता। कुंभाराम लिफ्ट परियोजना जैसे जल जीवनदायिनी प्रयास को शीघ्र शुरू किया जाना नितांत आवश्यक है, ताकि आमजन को राहत मिल सके और आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य दिया जा सके।

डॉ. सतीश पूनियां आज से प्रदेश के सात जिलों के प्रवास पर

- डॉ. पूनियां मारवाड़, मेवाड़-वागड़ में विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे

जयपुर। भाजपा हरियाणा संगठन प्रभारी, भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां सोमवार से 7 अगस्त तक राजस्थान के 7 जिलों के प्रवास पर रहेंगे, जहां वह विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। सतीश पूनियां मारवाड़, मेवाड़-वागड़ के चार दिवसीय प्रवास पर डीडवाना-कुचामन, नागौर, अजमेर राजसमंद, उदयपुर, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा इत्यादि जिलों में पार्टी कार्यक्रमों, कार्यकर्ता मिलन, कार्यकर्ताओं को सम्बल और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

सतीश पूनियां सोमवार को सुबह दस बजे जयपुर से सड़क मार्ग द्वारा डीडवाना कुचामन और नागौर जिले के लिए प्रस्थान करेंगे, दोपहर एक बजे कुचामन एवं तीन बजे रोल में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण करेंगे, शाम 5 बजे मूंडवा में पूर्व जिला अध्यक्ष रमाकांत शर्मा के निवास स्थान पर उनकी माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, शाम 6:30 बजे रैण में रामस्नेही आश्रम और रात्रि आठ बजे मेड़ता में मीरा महोत्सव में शामिल होंगे। पांच अगस्त को सतीश पूनियां सुबह 11 बजे नाथद्वारा में श्रीनाथजी भगवान के दर्शन करेंगे, उदयपुर में दोपहर एक बजे स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे और दोपहर तीन बजे उदयपुर के शोभागपुरा में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। छह अगस्त को पूनियां डूंगरपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक आदिवासी माता-बहनों के साथ रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल होंगे, शाम छह बजे चित्तौड़गढ़ के मंडफिया में श्री सांवलिया सेठ जी के दर्शन करेंगे, इसके बाद गोकुल विश्रांति गृह में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। सात अगस्त को सुबह सतीश पूनियां भीलवाड़ा स्थित जैन स्थानक में डॉ. कुमुदलता जी महाविद्वानसति के दर्शन करेंगे, पूर्व सभापति दिनेश शर्मा के निवास स्थान पर उनकी माताजी के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे, 12 बजे से भीलवाड़ा सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे, शाम को चार बजे माधव गौशाला जाएंगे, शाम को पांच बजे जयपुर के लिए सड़क मार्ग द्वारा प्रस्थान करेंगे।

करंट लगने से बुजुर्ग की मौत

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना क्षेत्र के रामापीर कॉलोनी में गुजर रही 11 केवी लाइन के करंट की चपेट में आने से शनिवार को झुलसे बुजुर्ग की जयपुर में एक अस्पताल में मौत हो गई, जिसके बाद रविवार को परिजनों और कॉलोनी के लोग रविवार को धन्ना तलाई क्षेत्र में कृषि मंडी रोड पर जाम लगाकर धरने पर बैठ गए। साथ ही बिजली निगम और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसकी सूचना मिलने के बाद टोंक एसडीएम व अति. पुलिस अधीक्षक एवं तहसीलदार, थाना कोतवाली प्रभारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों से समझाइश की, लेकिन परिजन व क्षैत्रवासी नहीं माने तथा उन्होंने मृतक के एक आश्रित को सरकारी नौकरी देने और 50 लाख रुपए देने की मांग की। पांच घंटे बाद सहमति बनी। सहमति के तहत मृतक के एक आश्रित को संविदा पर नौकरी, ज्यादा से ज्यादा सहायता राशि दिलवाने और हाईटेंशन लाइन को हटाने के आश्वासन पर सहमति बनी।

नीट परीक्षा में अच्छे नंबर दिलाने का झांसा देकर छात्र से 8.50 लाख ठगे

कोटा, (निसं)। शहर में मेडिकल एंट्रेंस की कोचिंग करने आए बिहार के छात्र से नीट यूजी परीक्षा पास करवाने की एवज में लाखों रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। मामले में सामने आया कि आरोपी भी छात्र के दोस्त हैं, जिन्होंने उससे परीक्षा पास करवाने की एवज में लाखों रुपए ठग लिए। ठगी का मामला सामने आने पर जवाहर नगर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले मे सामने आया कि ठगी का पीड़ित छात्र बिहार के मुजफ्फरपुर के कुढ़नी थाना इलाके के मादापुर रायती निवासी है। उसकी दोस्ती दो लड़कों से हुई थी। पढ़ाई के दौरान कुछ परेशान रहने लगा तो इस पर दोनों दोस्तों ने नीट में अच्छे से अच्छे नंबर दिलाने का झांसा दिया। जिसके लिये 13 लाख रुपए की मांग की। इसके बाद छात्र ने अपनी बहन की शादी के लिए पिता की ओर से खाते में डाले हुए 8.50 लाख रुपए निकाल कर आरोपी को दे दिए। जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण ने बताया कि बिहार निवासी एक छात्र ने नीट की परीक्षा में अच्छे अंक दिलाने के नाम पर उससे साढ़े आठ लाख की ठगी होने की शिकायत दी। थानाधिकारी ने बताया कि मामले में फरियादी छात्र व रूपये की ठगी करने वाला छात्र भी बिहार का निवासी है और दोनों दोस्त हैं। मामले में फरियादी की शिकायत पर मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

बीस लाख की अवैध शराब मय वाहन जब्त

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में पुलिस ने बीस लाख की अवैध शराब मय पिकअप वाहन जब्त किया है।

महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज गौरव श्रीवास्तव के आदेश पर डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, डबोक थानाधिकारी हुकमसिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबीर से मिली सूचना पर ओडवाड़ीया से झंझेला मार्ग पर तालाब के पास श्मशान भूमि के तरफ रास्ते पर एकांत में पिकअप वाहन खड़ा था। जिसका त्रिपाल हटा कर तलाशी ली तो उसमें 78 कर्टन अवैध शराब के पाए गए। इसी दौरान भैसड़ा कला में आवलिया का कुआ से भैसड़ा कला गांव रोड़ पर किशन पुत्र गणेश डांगी के मकान के पास बाड़े में होने पर मौके पर दबीश देकर 180 कर्टन अवैध शराब के जब्त कर प्रकरण दर्ज किया। इस दौरान किशन के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। बरामद शराब की बाजार कीमत बीस लाख रूपये बताई जाती है।

डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने मानसून फेस्ट में शिकरत की

अजमेर, (कासं)। डीएवी कॉलेज के खेल मैदान में अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र की मातृ शक्ति की ओर से मानसून फेस्ट का आयोजन किया गया। महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा आयोजित यह उत्सव सशक्तिकरण, मनोरंजन और जागरूकता का संगम बना। इसमें महिलाओं के मनोरंजन के साथ-साथ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं हुई। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। मानसून फेस्ट में महिलाओं के साथ बच्चों के मनोरंजन का भी विशेष ध्यान रखा गया। बच्चों के विभिन्न प्रकार के झूले व 30-40 प्रकार की स्टॉलें लगाई गई।

विधायक अनिता भदेल ने बताया किमहिलाओं को जागरूक तथा उनके अधिकारों की जानकारी के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। यहां पर महिलाओं को कानूनी अधिकारों की जानकारी दी गई। महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए स्वास्थ्य विभाग ने भी शिविर लगाया। साथ ही अन्य व्यवस्थाएं भी की गई। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर राहटकर, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राज्य मंत्री मंजू बाघमार, विधायक अनिता भदेल, लाडपुरा विधायक कल्पना देवी, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, पूर्व विधायक अनिता सिंह गुर्जर आदि ने भी शिरकत की।

सांसद राजकुमार रोत के आरक्षण पर पूर्व में दिए बयान पर भील समाज ने किया हंगामा

सांसद रोत का विरोध करने पहुंचे भील समाज और पुलिस में लाठी-भाटा जंग हुई

आदिवासी दिवस पर कार्यक्रम में पहुंचे सांसद का विरोध करने पर पुलिस व भील समाज के लोगों के बीच झड़प हुई।

- सांसद राजकुमार रोत ने विरोध करने के मामले में बीजेपी पर निशाना साधा, कहा कि इस हंगामे के पीछे भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल हैं, जो लोग मेरा विरोध कर रहे हैं

झालावाड़, (निसं)। आदिवासी दिवस के अवसर पर झालावाड़ में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत के आरक्षण पर दिए पूर्व के बयान पर भील समाज के ही एक अन्य गुट ने हंगामा कर दिया।

जानकारी के अनुसार राजकुमार रोत का विरोध कर रहे लोग पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अरविंद भील के नेतृत्व में कार्यक्रम के मंच तक पहुंच गए और राजकुमार रोत के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। राजकुमार रोत का कहना है कि कुछ लोगों ने रोत पर हमला करने का भी प्रयास किया। मौके पर राजकुमार ने विरोध करने वालों से कहा कि वह झंडे नीचे कर ले और मंच पर आकर बैठें, कोई मनमुटाव है तो उसको दूर कर लेंगे, लेकिन विरोध करने वाले लोगों ने एक ना सुनी और लगातार नारेबाजी करते रहे, ऐसे में पुलिस द्वारा राजकुमार रोत का विरोध कर रहे लोगों को कार्यक्रम स्थल से दूर ले जाकर खड़ा कर दिया गया। कुछ देरी के बाद जब पुलिस दूसरे गुट का नेतृत्व कर रहे अरविंद भील को समझाइश करते हुए अपने साथ लेकर जाने लगी तब लोगों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। कुछ दूरी पर जाकर अरविंद भील ने अपने समर्थकों से हंगामा नहीं करने की अपील भी की, लेकिन इसी बीच कुछ लोगों ने पत्थर फैंक दिए और मौके पर भगदड़ मच गई। ऐसे में पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा तथा पुलिस ने बल प्रयोग करते हुए पत्थरबाजों एवं हंगामा करने वाले लोगों को खदेड़ दिया। पत्थरबाजी में कुछ पुलिसकर्मियों के चोटिल होने की बात भी सामने आई है। मौके पर कुछ बदमाश पुलिस पर बड़े-बड़े पत्थर उठाकर हमला कर रहे थे, ऐसे में पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाना जरूरी हो गया था, अन्यथा कोई बड़ी दुर्घटना भी घट सकती थी। हंगामा कार्यक्रम स्थल से लगभग आधा किलोमीटर की दूरी पर हुआ। हंगामे के दौरान कई दो पहिया वाहन टूट गए तथा भगदड़ के दौरान लोग आसपास के घरों में घुस गए, जहां से अराजक तत्वों को पुलिस द्वारा जबरदस्ती बाहर निकाल गया। मामले में पुलिस द्वारा अरविंद भील सहित कुछ लोगों को डिटेन किया गया है।

सांसद राजकुमार रोत ने विरोध करने के मामले में बीजेपी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इस हंगामे के पीछे भाजपा संगठन से जुड़े लोग शामिल हैं, जो लोग मेरा विरोध कर रहे हैं। उन्हें बता दूं कि मुझे झालावाड़ से चुनाव नहीं लड़ना। जो लोग मुझसे लड़ने आए, वह समाज के मानसिक विकलांग हैं, जो लड़ाई करने आए थे, उन पर बड़े राजनीतिक घरों के लोगों का श्रेय था। सांसद राजकुमार रोत ने कहा कि 2016 में हमला करने वाले आज हमारे साथ खड़े हैं। मैं अपने दावे के साथ कहता हूं, आज जो भी आए थे, कुछ तो नासमझ थे। उनको दुनियादारी से कोई मतलब नहीं। उनको उकसाया गया, वो भी एक दिन साथ खड़े होंगे, जो हमसे 8 साल पहले लड़ाई करने आए थे, वो भाई आज हमारे साथ खड़े हैं। उनके आज समझ आया, हमें खुशी है। जब 2016 में हम पर हमला हुआ था। हमारे साथी आज आसपुर से विधायक हैं। उनका हाथ फ्रैक्चर हुआ था। हमारे ही कुछ भाई जो मानसिक रूप से दिव्यांग थे, उन्होंने किसी के कहने पर हमला कर दिया था। हालांकि खुशी इस बात की है कि आज वहीं भाई हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग हमें बांट रहे हैं, लेकिन हमें अपने लिए लड़ना पड़ेगा और लड़ेंगे।

स्कूल हादसे पर राजकुमार रोत ने कहा कि झालावाड़ स्कूल हादसे पर सरकार ड्रामा कर रही है। सांसद रोत ने झालावाड़ स्कूल हादसे पर भी प्रदेश सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की 10-10 लाख रुपए मुआवजे की घोषणा केवल औपचारिकता है। इस घटना के बाद प्रशासन ने अंतिम संस्कार में मां-बाप को भी शामिल नहीं होने दिया गया, जबकि प्लेन हादसे में प्रत्येक व्यक्ति को एक करोड़ का मुआवजा दिया। रोत ने कहा कि समाज के बच्चों को 10 लाख नहीं दिए हैं, यह सहायता तो सरकार की योजना है। सरकार ने अलग से कुछ नहीं दिया। केवल ड्रामा कर रहे हैं।

सैन्य प्रतिष्ठानों के पास अफीम तस्कर गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। स्वतंत्रता दिवस से ठीक पहले बीकानेर में सेना की इंटेलिजेंस यूनिट और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में एक बड़ा नशा तस्करी रैकेट सामने आया है। इस कार्रवाई के दौरान बीकानेर के शोभासर सर्कल से 452 ग्राम अफीम के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया गया है।

यह इलाका न केवल व्यावसायिक रूप से व्यस्त है बल्कि भारतीय सेना और वायुसेना के महत्वपूर्ण ठिकानों के बेहद करीब भी है। गिरफ्तार युवक की पहचान सुनील उपाध्याय पुत्र सत्यनारायण उपाध्याय निवासी मेघासर के रूप में हुई है। यह युवक पिछले 4 से 5 वर्षों से शोभासर चौराहे पर ब्राह्मण होटल नामक ढाबा चला रहा था, जो नशे के तस्करी का अड्डा बन चुका था। सेना की इंटेलिजेंस टीम को 2 अगस्त की रात यह इनपुट मिला कि शोभासर क्षेत्र में कुछ संदिग्ध व्यक्ति अफीम की बड़ी खेप लेकर पहुंचने वाले हैं। यह सूचना तत्काल डीएसटी के एएसआई रामकरण सिंह और बीछवाल थाना प्रभारी एसआई कमलजीत कौर के साथ साझा की गई। दोनों टीमों ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और सुनील को मौके से गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 452 ग्राम अफीम बरामद की गई जो वाणिज्यिक मात्रा में आती है और इसकी बाजार कीमत लाखों में आंकी जा रही है।

मासूम का शव नाडी में मिला

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उपनगर पुर में रविवार को अचानक उस वक्त मातम पसर गया, जब पता चला कि चार साल के मासूम शिफान पिता मोहम्मद मोहसिन की नाडी में लाश मिली है। हर कोई शोक संतप्त हो गया। जानकारी के अनुसार शिफान घर से शनिवार शाम चार बजे लापता हुआ था। परिजनों ने अपने स्तर पर काफी कोशिश की, लेकिन पता नहीं चला, फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कई जगह की तलाश की लेकिन सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह अचानक तैरता हुआ शव नाडी में नजर आया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बस्ती में ही पार्षद और प्रशासन की लापरवाही से क्षेत्र में बरसाती गड्ढों में पानी भरा हुआ है जिसके चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं। इसे ही एक बरसाती गड्ढे में डूबने से शिफ़ान की मौत हुई है।

'प्रधानमंत्री का अभियान हरियाली बढ़ाने के साथ प्रकृति से जुड़ने के अवसर प्रदान करता है '

कांग्रेस का सारा शासन झूठ की बुनियाद पर, भाजपा राजनीति से लोगों के जीवन में ला रही है सकारात्मक परिवर्तन : भूपेंद्र यादव

जयपुर/अलवर । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने रविवार को अलवर के थानागाजी स्थित उदयनाथ धाम में वन विहार एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर दोनों नेताओं ने एक पेड़ मां के नाम और हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपना संकल्प व्यक्त किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा,'एक पेड़ मां के नाम' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया गया एक ऐतिहासिक एवं भावनात्मक अभियान है, यह हमें न केवल हमारी मातृभूमि एवं मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर देता है, बल्कि हरियाली बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण में भी सहायक है। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत करने का काम केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के द्वारा किया जा रहा है, राजस्थान में 2003 में भाजपा की सरकार को बनाने में भी भूपेंद्र यादव की अहम भूमिका रही थी। भूपेंद्र यादव जी के अपने क्षेत्र में इतने प्रवास होते है कि हर व्यक्ति के मुंह से इनका नाम सुनने को मिल रहा है। राजस्थान में जितने भी सांसद हैं जितने भी विधायक हैं भूपेंद्र यादव जी की तरह सब अपने-अपने क्षेत्र को संभालते रहे तो राजस्थान से भारतीय जनता पार्टी को कोई हटाने वाला नहीं है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण करने की अपील करते हुए कहा कि आप सब पेड़ लगाएं और बरगद के पेड़ की तरह समाज सेवा में समर्पित रहें। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी के दौर में जनसंघ के कार्यकर्ताओं के साथ बहुत अन्याय किए गए, अनेक यातनाएं दी गई और लालच देकर उन्हें अपने साथ विलय करने की कोशिश की गई। इतनी यातनाओं और वेदनाओं को सहकर भी लोगों ने राष्ट्रीय राजनीतिक विचार को आगे बढ़ाने के संकल्प को नहीं छोड़ा यह भारतीय जनता पार्टी की विचार यात्रा थी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और मंत्री भूपेंद्र यादव ने अलवर के थानागाजी स्थित उदयनाथ धाम में पौधारोपन किया ।

■ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा,'एक पेड़ मां के नाम' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किया, एक ऐतिहासिक एवं भावनात्मक अभियान है, यह हमें न केवल हमारी मातृभूमि एवं मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का अवसर देता है

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि इमरजेंसी के दौरान इंदिरा गांधी के द्वारा यातनाएं देखकर जनसंघ को समाप्त करने की कोशिश की गई,लेकिन अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में अप्रैल 1980 में भारतीय जनता पार्टी का जन्म मुंबई में हुआ। अटल जी की वह पंक्तियां हमारे मन में हमेशा रहती है कि अंधेरा छटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपना बलिदान कश्मीर में भारत की एकता के लिए दिया। भाजपा ने कश्मीर से धारा 370 समाप्त करके देश को एक करने का काम किया। कांग्रेस ने सारा शासन झूठ की बुनियाद पर किया लेकिन भारतीय जनता पार्टी की राजनीति लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए है, अंतिम छोर तक खड़े हुए व्यक्ति को शासन की सारी सुविधाएं पहुंचाने के लिए है।

कार्यक्रम में संभाग प्रभारी नारायण पंचारिया, बहरोड़ विधायक जसवंत यादव, बानसूर विधायक देवी सिंह शेखावत, रामगढ़ विधायक सुखवंत सिंह, कठूमर विधायक रमेश खींची सहित पार्टी के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, कार्यकारिणी सदस्य एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कानोता बांध में युवक की डूबने से मौत

जयपुर। जामडोली थाना इलाके में स्थित कानोता बांध में रविवार सुबह एक युवक की डूबने से मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस और सिविल डिफेंस टीम की मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकाला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पारिवारिक कलह के चलते युवक ने कानोता बांध में कूद कर आत्महत्या की है। वहीं परिजनों का कहना है कि मृतक नहाने के लिए बांध गया था और पैर फिसलने से डूब गया। फिलहाल पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

हेड कांस्टेबल रामसहाय ने बताया कि जामडोली के केशव विद्यापीठ चौराहे के पास रहने वाले 27 वर्षीय त्रिलोक ने कानोता बांध में कूद कर आत्महत्या की है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं पाथेय कण पत्रिका के संरक्षक माणकचंद 'भाईजी' के निधन के उपरांत रविवार को अम्बाबाड़ी स्थित आदर्श विद्यामंदिर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, हरियाणा प्रभारी सतीश पूनियां समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और प्रबुद्ध नागरिकों ने उपस्थित होकर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

पूर्वी राजस्थान क्षत्रिय समागम में हजारों राजपूतों ने भरी हुँकार

जयपुर। राजधानी में आज पूर्वी राजस्थान क्षित्रय समाज समागम ऐतिहासिक उत्साह, गरिमा और सामाजिक चेतना के साथ सम्पन्न हुआ। पहली बार जयपुर में पूर्वी राजस्थान के विभिन्न जिलों - भरतपुर, धौलपुर, करौली, दौसा, अलवर, सवाई माधोपुर, बहरोड़, डीग, खेरथल-तिजारा - से समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों, वरिष्ठजनों और युवाओं ने एक जाजम पर एकत्र होकर सामाजिक समन्वय और अधिकारों के लिए एकजुटता दिखाई।

उन्होंने कहा कि पूरे समाज की माँग है कि आर्थिक पिछड़ो में शामिल जातीयों की जनसंख्या के आधार पर इसे बीस फ़ीसदी तक बढ़ाया जाय ।

पंचायत राज व्यवस्था में एसी/एसटी, ओबीसी की तर्ज पर प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू करे। साथ ही केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे ईडब्ल्यूएस आरक्षण को राजस्थान की तरह सरल और व्यावहारिक बनाया जाए।शक्ति सिंह बांदीकुई ने कहा कि पूर्वी राजस्थान की 35 विधानसभा सीटों में सिर्फ एक राजपूत विधायक , 5 लोकसभा सीट पर एक भी सांसद नहीं , राजनैतिक पार्टियो को हमारा प्रतिनिधित्व बढ़ाना होगा,यह हमारा अधिकार है । साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि यदि इन आवश्यक सुधारों को लेकर सरकारें संवेदनशील नहीं हुईं, तो पूर्वी राजस्थान का क्षित्रय समाज एकजुट होकर सशक्त आंदोलन के लिए भी तैयार है।कार्यक्रम में यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के चेयरमैन मेघराज सिंह रॉयल ने कहा कि अब आर्थिक कमजोरी प्रतिभावान बच्चो को उच्च शिक्षा में आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती, यूजीपीएफ ने एक साल से कम समय में शिक्षा के लिए चार करोड़ से अधिक राशि छात्रवृति के रूप में प्रदान की हैइस समागम में सेवानिवृत वयोवृद्ध आई ए एस रामवीर सिंह भंवर, सीनियर सर्जन डॉ एस पी सिंह,पत्रकार भंवर पुष्पेंद्र ,पत्रकार शिवेंद्र सिंह परमार सहित अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को पूर्वी राजस्थान क्षित्रय समाज गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया।

■ ईडब्ल्यूएस आरक्षण 20 प्रतिशत तक बढ़े, पंचायत राज चुनाव में ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू हो , केंद्र में ईडब्ल्यूएस आरक्षण सरलीकरण के साथ लागू हो

दुष्कर्म की कोशिश करने वाला आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग लड़की से दुष्कर्म की कोशिश करने वाले आरोपित परिचित युवक को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह उत्तर प्रदेश भागने की फिराक में घर से निकला था। पुलिस फिलहाल आरोपित से पूछताछ कर रही है।

जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में आरोपित हासिम खान निवासी सराय जिला फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश) गिरफ्तार को किया है। 29 जुलाई को जयसिंहपुरा खोर के रहने वाले व्यक्ति ने मामला दर्ज करवाया था कि उसकी नाबालिग बेटी के साथ परिचित युवक ने डरा-धमकाकर दुष्कर्म का प्रयास किया। किसी को बताने पर मारने की धमकी भी दी। डरी-सहमी नाबालिग बेटी ने परिजनों को आपबीती सुनाई। परिजनों को पता चलने आरोपित फरार हो गया। पुलिस ने आरोपित का पीछा कर उसे ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टेंड से धर-दबोचा।

संकट के समय में सही निर्णय लेना अहिंसा को प्रभावित करता है : के के गुप्ता

जयपुर। दिगंबर जैन मंदिर ट्रस्ट और इंद्र प्रभा चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर के सहयोग से रविवार को जयपुर अहिंसा फेस्टिवल 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और प्रमुख वक्ता स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के कोऑर्डिनेटर तथा नगर परिषद डूंगरपुर के पूर्व सभापति के के गुप्ता रहे। आयोजन समिति द्वारा गुप्ता का स्वागत अभिनंदन किया गया।

भगवान महावीर स्वामी और भारत माता के जयकारो के साथ अपना ओजस्वी उद्बोधन देते हुए गुप्ता ने कहा कि हमारा देश एक विकसित और विश्व गुरु देश तब बन सकता है जब देश का प्रत्येक नागरिक स्वच्छता सहित पर्यावरण और जल संरक्षण को अपने जीवन में एक नैतिक कर्तव्य के रूप में अपनाए। आज हम देख रहे हैं कि वृक्षारोपण कम होने के कारण ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रहा है तथा हमारा देश के लोगों की जीवन प्रत्याशा दर भी अन्य देशों के मुकाबले कम हो रही है, देश में 66 वर्ष की औसत आयु हो रही है जबकि विदेशों में यह औसत आयु 88 वर्ष है। भारत देश के लोग जल्दी मर रहे हैं इसका भी एक प्रमुख कारण पर्यावरण का शुद्ध नहीं होना है। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने भी देश से अपील की है कि एक पेड़ अपनी मां के नाम अभियान में आगे बढ़कर साथ दे और इस वर्ष काल में देशभर में करोड़ों की संख्या में वृक्षारोपण किया जाना चाहिए और सिर्फ फोटोग्राफी अथवा भाषण तक वृक्षारोपण कार्यक्रम को सीमित नहीं रख बल्कि सही ईमानदारी के साथ तथा लगभग 8 से 12 फीट ऊंचाई के वृक्ष लगाने होंगे इसके साथ ही वृक्ष की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। गुप्ता ने यह भी कहा कि हमें एक पेड़ स्वयं के नाम से भी आवश्यक रूप से लगाना चाहिए क्योंकि जब हमारा अंतिम समय आएगा और शमशान घाट में अंतिम संस्कार के समय लगभग एक पूरे वृक्ष के बराबर लकड़ी की आवश्यकता रहती है। इसलिए एक मनुष्य अपने जीवन काल में कम से कम एक पेड़ तो अवश्य ही लगे जो अपने अंतिम संस्कार विधि में काम आएगा। उन्होंने संदेश दिया कि गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए जो मुहिम चलाई जा रही है इसमें राजस्थान के लोग भी अपनी भागीदारी निभाएं। हमारे वेद पुराण में लिखे गए वाक्य अनुसार पहली रोटी गाय के नाम निकाले और गौ माता की सेवा करें लेकिन यह भी ध्यान रखा जाए कि आज के समय में गौ माता सड़कों पर बेसहारा घूम रही है ऐसा नहीं होना चाहिए और हमें प्लास्टिक उपयोग भी बंद करना होगा ताकि गौ माता प्लास्टिक खाकर और असमय ही काल का ग्रास नहीं बने और हम भी पाप के भाग नहीं बने। इसके साथ ही वैज्ञानिक को द्वारा भी यह सिद्ध किया गया है कि गौ माता जो प्लास्टिक का सेवन करती है तथा उसके दूध का यदि हम सेवन करते हैं तो हमें कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी का भी खतरा उत्पन्न हो सकता है।

गुप्ता ने कहा कि संकट के समय में संयम के सही निर्णय लेना अहिंसा को प्रभावित करता है और समस्या का निस्तारण करने की सोच हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी में है और इसी दूरदर्शी सोच के साथ मोदी जी ने हाल ही में किए गए ऑपरेशन सिंदूर में पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान और उसका साथ देने वाले अन्य देशों को भी यह कड़ा संदेश दिया है कि यह नया भारत है जो झुकना नहीं जानता है।

■ जयपुर अहिंसा फेस्टिवल 2025 का आयोजन, वृक्षारोपण करने और स्वच्छता को जीवन में उतारने का किया आव्हान

विप्र फाउंडेशन ने किया चतुर्वेदी का अभिनंदन

विप्र फाउंडेशन ने डॉ अरुण चतुर्वेदी को श्री परशुराम जी की मूर्ति भेट कर अभिनंदन किया।

जयपुर। विप्र फाउंडेशन राजस्थान जोन-1 की ओर से राजस्थान वित्त आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी का अभिनंदन किया गया।विप्र फाउंडेशन की ओर से डॉ अरुण चतुर्वेदी को श्री परशुराम जी की मूर्ति भेट कर उनकी राजनीतिक यात्रा और सेवा मार्ग पर निरंतर अग्रसर होती रहे, इसकी कामना की गई।

स्वागत में विप्र फाउंडेशन प्रदेश अध्यक्ष राजेश कर्नल एडवोकेट, राष्ट्रीय सचिव नरेंद्र हर्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री सतीश शर्मा, प्रदेश कोषाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा, युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश शर्मा काका, प्रदेश सचिव हितेश शर्मा, दीपेश शर्मा ,एडवोकेट विजय भारद्वाज,जयपुर जिला मंत्री सुनील शर्मा,प्रदीप शर्मा,दिलीप भारद्वाज आदि उपस्थित थे।

बिटकॉइन में निवेश में लाखों रुपए गवाने से आहत होकर युवक ने खुद को आग लगाई

जयपुर। भांकरोटा थाना इलाके में बिटकॉइन में निवेश का झांसे में आकर लाखों रुपए गवाने से आहत होकर युवक ने खुद को आग के हवाले कर अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक ने आत्महत्या से पहले सुसाइड नोट में अपने परिजनों से माफी मांगी। हादसे के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर मौके पहुंची ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

थानाधिकारी मनीष गुप्ता ने बताया कि हैंगिंग गार्डन निवासी आदित्य शर्मा (24) ने अपने परिवार सहित रहता था और बगरु स्थित ग्रेनाइट कंपनी में नौकरी करता था। शनिवार रात आदित्य नौकरी से घर लौटा था उसी समय छोटा भाई मोहित किसी काम से बाहर चला गया। पिता नरेंद्र और आदित्य ही घर पर थे। आदित्य देर रात अपार्टमेंट से नीचे उतरा और बाइक से बोतल में पेट्रोल निकाला और अपार्टमेंट की 9वीं मंजिल पर चला गया। जहां पर उसने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली और 9वीं मंजिल से छलांग लगा दी। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ही मृतक के पिता नरेंद्र को मामले की जानकारी दी।आग की लपटों में घिरे युवक की आत्महत्या की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्तगी के प्रयास किए। आसपास पूछताछ करने पर पता चला की आदित्य की मां रीना गोवर्धन पूजा करने के लिए गई हुई और पिता और छोटा बेटा मौजूद है।

जैसे ही पुलिस ने युवक की शिनाख्त कराई तो पिता नरेंद्र के पैरों तले जमीन निकल गई और पूरे अपार्टमेंट में कोहराम मच गया। पुलिस ने हादसे के बाद मृतक के मोबाइल फोन को खंगाला तो उसमें वाट्स एप पर सुसाइड नोट बरामद हुआ।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने गौशाला संचालकों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की

मंत्री जोराराम कुमावत (बीच में) ने अधिकारियों के साथ जिला परिषद के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित किया।

जयपुर/झालावाड़ । राजस्थान सरकार के पशुपालन, डेयरी, गोपालन और देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि राज्य को दुग्ध उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर लाने के लिए सरकार बहुआयामी रणनीतियों पर कार्य कर रही है। वे रविवार को झालावाड़ जिले में गौशाला संचालकों, पशुपालकों एवं पशुपालन व डेयरी विभाग के अधिकारियों के साथ जिला परिषद के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

खासकर दुग्ध उत्पादन के लिए गिर गाय में ब्राजील से आयातित सीमन से कृत्रिम गर्भाधान किया जा रहा है। इससे गिर गाय के दूध के उत्पादन में दोगुनी से भी ज्यादा वृद्धि होगी। इसके अलावा प्रदेश में गाय की संख्या में बढोतरी के लिए सैक्स सोर्टेड सीमन योजना को लागू किया गया है। ऐसा होने से प्रदेश में गौवंश की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ दुग्ध उत्पादन भी बढ़ेगा।

कुमावत ने इस अवसर पर कहा कि सेक्स सोर्टेड तकनीक किसानों तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी। अभी यह तकनीक पशुपालकों के लिए महंगी है इसीलिए सरकार इस तकनीक को पशुपालकों की पहुंच में लाने के लिए सस्ती दर पर सेक्स सोर्टेड सीमन पशुपालकों को उपलब्ध कराएगी। उन्होंने बताया कि यह तकनीक पशुपालन के क्षेत्र में एक वरदान साबित होगी क्योंकि इस तकनीक से मादा पशुओं की संख्या में बढ़ोतरी होगी और नर पशुओं की संख्या में कमी आएगी।

कुमावत ने निर्देश दिए कि दुग्ध सहकारी समितियों और दुग्ध संघों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गांव में समितियां किसानों से नियमित संवाद करें और अपने कार्यों को और प्रभावी बनाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि जो पशुपालक और डेयरी क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहे हैं, उन्हें सरकार द्वारा प्रोत्साहित किया जाएगा।

■ कुमावत ने इस अवसर पर कहा कि सेक्स सोर्टेड तकनीक किसानों तथा पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए मील का पत्थर साबित होगी

बैठक में झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह, जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़, मनोहर थाना विधायक गोविन्द रानीपुरिया, डग विधायक कालूराम मेघवाल, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, आरपीएससी के पूर्व चेयरमैन श्याम सुंदर शर्मा, जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन शर्मा, सीईओ शम्भूदयाल मीणा, जिला स्तरीय अधिकारी, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के प्रतिनिधि तथा जिले के प्रमुख गौशाला संचालक उपस्थित रहे।

बैठक से पहले कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने द्वारकाधीश मंदिर में दर्शन किए और झालरापाटन स्थित गौ संसार गौशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में गौवंश के रखरखाव, चारे-पानी एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान गौशाला प्रबंधकों द्वारा मंत्री कुमावत को अवगत कराया गया कि गौशालाओं में पशुओं की चिकित्सा सुविधा एक प्रमुख आवश्यकता है। इस पर जानकारी दी गई कि राज्य सरकार द्वारा संचालित 1962 मोबाइल वेटरनरी यूनिट के माध्यम से निःशुल्क पशु चिकित्सा सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं।

केनरा बैंक में चोरी का प्रयास करने वाले शटर तोड़ गैंग के दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। झोटवाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में केनरा बैंक में चोरी के लिए घुसे मध्य प्रदेश की शटर तोड़ गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि बदमाशों ने दिन में टारगेट चुनकर रात को वारदात करते है। पुलिस पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा होने की संभावना जताई है।

■ पूछताछ में सामने आया है कि दिन के समय बाइक से टारगेट को चिह्नित करते थे

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि झोटवाडा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए में केनरा बैंक में चोरी के लिए घुसे मध्य प्रदेश की शटर तोड़ गैंग के बदमाश गिर्राज सैन (26) निवासी गुना मध्यप्रदेश,हाल झोटवाड़ा और कुमेर सिंह अहिरवाल (28) निवासी गुना मध्य प्रदेश, हाल रावणगेट करधनी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि दोनो ही आरोपित मकान तोड़ने और झिरी खोदने का काम करते हैं। मकानों में काम के दौरान आस-पास के घर-दुकानों और बैंकों की रेकी करते है। उसके बाद साथियों से मिलकर वारदात को अंजाम देते।

पूछताछ में सामने आया है कि दिन के समय बाइक से टारगेट को चिह्नित करते थे। उसी के आस-पास किराए का कमरा लेकर या पार्क में बैठकर समय बिताते। रात होने के बाद नकाब पहनकर चोरियां करते।

गौरतलब है कि झोटवाड़ा के भौमिया नगर में केनरा बैंक की ब्रांच है। बैंक की वरिष्ठ प्रबंधक रवनीत कौर (35) ने थाने में मामला दर्ज करवाया था कि 27 जुलाई की रात को बदमाशों ने चोरी की नीयत से बैंक का शटर तोड़कर चैनल गेट से बदमाश अंदर घुसे और फिर ट्रेजरी में बने स्ट्रॉन्ग रूम के लॉक को तोड़ने का प्रयास किया। काफी कोशिश के बाद भी कामयाब नहीं होने पर पकड़े जाने के डर से फरार हो गए थे। पुलिस ने मिले सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों को चिन्हित किया।

पुलिस ने बदमाश गिर्राज सैन और कुमेर सिंह करधनी को गिरफ्तार किया

बिना प्रक्रिया अपनाए पंचायत सदस्यों को हटाने पर जताई आपत्ति

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पंचायत सदस्यों को हटाने से जुड़े कई मामलों पर संज्ञान लेते हुए कहा है कि वर्ष 1996 के राजस्थान पंचायती राज नियमों के नियम 22 में निर्धारित अनिवार्य प्रक्रिया का पालन किए बिना इन्हें हटाने के आदेश पारित किए जा रहे हैं। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने पाया कि जांच अधिकारी इन नियमों से भलीभांति अवगत नहीं हैं, जिससे आदेशों में गंभीर त्रुटियां हो रही हैं। कोर्ट ने पंचायती राज विभाग के प्रमुख सचिव, संभागीय आयुक्तों और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे सभी पंचायत समितियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को नियम 22 के महत्व के बारे में सूचित करें, ताकि भविष्य में चुने हुए जनप्रतिनिधियों को हटाते समय ऐसी गलतियों से बचा जा सके। कोर्ट ने यह भी कहा कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुना हुआ प्रतिनिधि जनता की आवाज़ होता है और उसे उसके पद से हटाने में अत्यधिक सावधानी व निष्पक्ष प्रक्रिया का पालन आवश्यक है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को हटाने के आदेश को रद्द करते हुए नियम 22 की पालना करते हुए मामले में पुनः विचार करने को कहा है।

कार चोर गिरोह का पर्दाफाश, तीन आरोपी गिरफ्तार, 12 कारें व इंजन जब्त

पकड़े गये बदमाशों ने अलग-अलग क्षेत्रों से ईको कारों का अपना निशाना बनाया

कोटा रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने चोरी की गई कारों सहित तीन जनों को गिरफ्तार किया।

- पकड़े गये गिरोह के सदस्य पिछले लम्बे समय से कारें चोरी करते हुए आ रहे थे

कोटा, (निसं)। रेलवे कॉलोनी पुलिस टीम ने कार चोरी की दर्ज रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए कार चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है और मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे चोरी की गई 12 कारों सहित एक कार का इंजन बरामद किया है। पकड़े गये बदमाशों ने अलग-अलग क्षेत्रों से ईको कारों का अपना निशाना बनाया। पकड़े गये गिरोह के सदस्य पिछले लम्बे समय से कारें चोरी करते हुए आ रहे थे।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 30 जुलाई को परिवादी मोहम्मद आशिक ने रेलवे कॉलोनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। परिवादी ने रिपोर्ट में बताया कि 27 जुलाई को एक सिल्वर रंग की उसकी ईको कार जिसको घर के सामने लॉक लगाकर खड़ी की थी, अगले दिन 28 जुलाई की सुबह जब घर के बाहर निकला और कार मौके पर नहीं थी, जिसको कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए शहर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप सैनी के निर्देशन में पुलिस उपअधीक्षक गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि रेलवे कॉलोनी थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम ने 100 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले, टीम ने तकनीकी सहायता व मुखबीर की सूचना पर कार चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए सूर्य नगर निवासी सैयद औसाफ अली उर्फ शानू (34) को रेलवे कॉलोनी इलाके से गिरफ्तार किया, जिससे पूछताछ पर वक्फ नगर दादाबाड़ी निवासी आदिल (29) और छत्रपुरा तालाब विज्ञान नगर निवासी मोहम्मद हुसैन उर्फ बबलू (34) को गिरफ्तार किया गया।

शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये बदमाशों ने पूछताछ के दौरान थाना रेलवे कॉलोनी के साथ-साथ दादाबाड़ी, विज्ञान नगर बोरखेड़ा, कैथूनीपोल और कोटा ग्रामीण के सुल्तानपुर से चोरी करने की वारदात को कबूला है। बदमाश कार चोरी करके उनको मॉडिफाई करके तीन से पांच लाख तक कार को बेच देते थे। शहर एसपी ने बताया कि पकड़े गये बदमाशों से पूछताछ के आधार पर चोरी की गई सात वाहनो एवं एक ईको कार के इंजन की बरामदगी की है। आरोपी इतने शातिर थे कि आरोपियों ने चोरी की गई पांच कारों के इंजन नम्बर, चैचिस नम्बर और बॉडी मोर्डिफाई कर दी। उन पांच सदिग्ध कारों को भी डिटेन किया गया। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

शहर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सैययद औसाफ अली उर्फ शानु सूर्य नगर का निवासी है। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि सैययद औसाफ अली जो सुलतानपुर में अपनी मौसी के पास रहने के दौरान उस पर कर्जा हो गया और उसके बाद वह कोटा मे रहने लगा और कर्जा अधिक होने और कोई काम नही मिलने पर आरोपी ने 2023 में विज्ञान नगर इलाके से एक कार चुराई और विज्ञान नगर निवासी मोहम्मद हुसैन उर्फ बल्लु को बेच दी, पकड़ा गये आरोपी बल्लू का विज्ञान नगर में ही कार वाशिंग व कार रिपेयरिंग का काम है। मामले में सामने आया कि आरोपी सैयद औसाफ अली उर्फ शानु, मोहम्मद हुसैन उर्फ बल्लू और आदिल ने तीनों ने मिलकर जल्दी अमीर बनने व शौक को पूरा करने के लिये कारें चोरी की योजनाएं बनाई और ईको कार की डिमांड ज्यादा होने से रात्रि के समय सुनसान स्थानों पर खड़ी ईको कारों को निशाना बनाते थे और देशी तकनीकी से शानू कारों के लॉक तोड़कर कारों को चुराता था और आदिल, बल्लू को संभला देता था।

ट्रक यूनियन ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

मांगों को लेकर ट्रक यूनियन ने टायर जलाकर प्रदर्शन किया।

- प्रदर्शनकारी वाहन चालकों की रद्द की गई आरसी को फिर से बहाल करने और ई-रवन्ना चालान को रद्द करने की मांग कर रहे हैं

रतनगढ़, (निसं)। रतनगढ़ ट्रक यूनियन ने अपनी मांगों को लेकर संगम चौराहा मेगा हाइवे पर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान यूनियन के सदस्यों ने टायर जलाकर और सरकार के खिलाफ़ नारे लगाकर अपना गुस्सा ज़ाहिर किया। यह प्रदर्शन युवा कांग्रेस नेता रामवीर सिंह राईका, रतनगढ़ ट्रक यूनियन के अध्यक्ष भेरू सिंह भोजासर और उप सरपंच गोपाल ख्यालिया के नेतृत्व में हुआ।

प्रदर्शनकारी वाहन चालकों की रद्द की गई आरसी को फिर से बहाल करने और ई-रवन्ना चालान को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। युवा कांग्रेस नेता रामवीर सिंह राईका ने कहा कि ट्रक यूनियन की अनिश्चितकालीन हड़ताल को चार दिन हो चुके हैं, लेकिन राजस्थान सरकार ने अभी तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही उनकी मांगों को नहीं माना गया तो वे और भी बड़ा और उग्र आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे, जिसकी पूरी ज़िम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस विरोध प्रदर्शन में छात्र नेता संदीप सिंह भोजासर, खजान सिंह खोतड़ी, विक्रम सिंह बछरारा, ज्ञान सिंह राईका, राजकुमार पारीक, छात्र नेता देवकीनंदन मांहिच, महावीर स्वामी, राजकुमार प्रजापत, रंजीत पूनिया, नेमीचंद प्रजापत, हनुमान प्रजापत, सांवरमल प्रजापत, नानूराम स्वामी, रामनिवास बाबू सर, मुकेश हुडेरा, दीपचंद स्वामी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

हनीट्रैप के जरिये ब्लैकमेल करने का आरोप

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जितेन्द्र रैया ने इंस्टाग्राम व फेसबुक पर अश्लील वीडियो व फोटो पोस्ट करने की धमकी देकर रूपये ऐंठने के आरोप में महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है। परिवादी राजू सैनी ने वकील प्रमोद शर्मा व गिरिराज शर्मा के जरिए परिवाद दायर कर बताया कि उसकी सोशल मीडिया पर एक महिला गोल्डी शर्मा निवासी बिलासपुर से मित्रता हो गई और दोनों के मध्य वीडियोकाल से बाते होने लगी। इसी दौरान महिला ने परिवादी का वीडियो बनाकर एडिटिंग कर वायरल करने की धमकी दी। साथ ही रूपये की मांग किये जाने पर पीड़ित लोकलाज के भय से रूपये देने लग गया। इस बीच महिला ने सोने की चेन की मांग की। मना करने पर अश्लील वीडिओ फेसबुक व अन्य शोसल मीडिया पर शेयर कर दिये। साथ ही परिवादी की पत्नी के नाम फर्जी आईडी बनाकर वीडियो वायरल कर दिए। समझाइश नाकाम होने पर पीड़ित ने एडवोकेट प्रमोद शर्मा व गिरिराज शर्मा के जरिये अदालत में परिवाद प्रस्तुत कर न्याय की गुहार लगाई। अदालत ने मदनगंज थाना पुलिस को आरोपी महिला के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।

चेक बाउंस मामले में पूर्व पार्षद को जेल

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने चेक बाउंस के पुराने मामले में फरार चल रहे कांग्रेस के पूर्व पार्षद आनंद पाटनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से पूर्व पार्षद को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। बोरखेड़ा थानाधिकारी देवेश भारद्वाज ने बताया कि पूर्व पार्षद आनंद पाटनी के खिलाफ साल 2015 में एक चेक बाउंस का मामला था। आरोपी के खिलाफ न्यायालय से स्टैंडिंग वारंट प्राप्त हुआ था। पूर्व पार्षद आनंद पाटनी मामले में लम्बे समय से फरार चल रहा था, फरारी काट रहे आरोपी आनंद पाटनी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

205 आरोपी पकड़े

रावतभाटा, (निसं)। महानिरीक्षक पुलिस रेंज उदयपुर गौरव श्रीवास्तव के निर्देश पर जिला पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़, गिरफ्तारी व एरिया डोमिनेंश के लिए जिले के समस्त पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों की 69 विशेष टीमों द्वारा विभिन्न संदिग्ध स्थानों पर दबिश देकर कार्रवाई करते हुए कुल 205 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के दौरान दो प्रकरण एनडीपीएस एक्ट, 6 प्रकरण आबकारी अधिनियम, एक प्रकरण आर्म्स एक्ट व एक प्रकरण आरएनसी एक्ट में दर्ज किया गया।

निजी अस्पताल में गर्भवती महिला को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाए

- गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के मुख्य गेट के बाहर धरना शुरू कर दिया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के श्रीकरणपुर कस्बे में एक निजी अस्पताल पर गर्भवती महिला को एक्सपायरी इंजेक्शन लगाने का मामला सामने आया है।

परिजनों का आरोप है कि निजी हॉस्पिटल में वार्ड दो निवासी सीमा पत्नी चेनाराम को सर्जरी के दौरान पांच और सर्जरी के बाद तीन एक्सपायरी इंजेक्शन लगाए गए। जैसे ही परिजनों को इस बात की जानकारी मिली, वे आक्रोशित हो गए। माकपा के तहसील सचिव मुकेश मोहनपुरिया, पीड़ित महिला के परिजन और कस्बे के अन्य लोग अस्पताल पहुंचे। गुस्साए परिजनों ने अस्पताल के मुख्य गेट के बाहर धरना शुरू कर दिया। धरने की सूचना पर श्रीकरणपुर पुलिस मौके पर पहुंची। हालात को देखते हुए अस्पताल परिसर में एहतियातन पुलिस बल तैनात किया गया। परिजनों ने अपने आरोपों के समर्थन में एक्सपायरी इंजेक्शन के रैपर भी दिखाए हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वर्तमान में अस्पताल प्रबंधन और पीड़ित पक्ष के बीच बातचीत की कोशिश की जा रही है। मामला अभी तक सुलझ नहीं पाया है। स्थानीय लोग स्वास्थ्य विभाग से जांच की मांग कर रहे हैं। घटना के बाद लोगों में आक्रोश है।

स्कूटी सवार से लूट मामले में एक गिरफ्तार

भीम, (निसं)। भीम थाना अंतर्गत आवलसारा घाटा के पास नेशनल हाइवे पर स्कूटी सवार से लूट के मामले में भीम पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

सीआई भंवरलाल कुमावत ने बताया कि किशोर पिता रतनलाल रैगर निवासी गोविन्दगढ़ थाना पीसागंन जिला अजमेर ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी स्कूटी पर सवार होकर आणद गुजरात से अपने गांव जा रहा था। हाइवे पर भीम से आगे नंदावट समय रात्रि को पहुंचा जहां पर दो बाईकों पर सवार चार व्यक्ति मेरे पिछे आये। जिन्होंने मुझे आवलसारा घाटा के पास रोककर मारपीट की तथा उसकी स्कूटी एंव बैग में रखा अन्य सामान लूटकर ले गये तारागढ़ ब्रीज के उपर सुनसान जगह छोड़कर भाग गये। भीम पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुये जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता पुलिस निर्देशानुसार व महेन्द्र पारीक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, पारस चौधरी वृताधिकारी वृत भीम के निर्देशन में थानाधिकारी भंवरलाल कुमावत पुलिस निरीक्षक, पुलिस कांस्टेबल लखन, पुलिस कांस्टेबल दिनेश कुमार आदि की टीम द्वारा अज्ञात मुल्जिमान द्वारा की गई घटना पर त्वरित कार्रवाई करते हुये घटनास्थल के आसपास स्थित सीसीटीवी फुटेज चैक किये गये। सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल विशलेषण व बीटीएस के आधार पर अज्ञात मुल्जिमान की तलाश की गई। तलाशी दौरान तीन अगस्त को अभियुक्त अनिलसिह पिता लक्ष्मणसिंह रावत निवासी कुकरखेडा पुलिस थाना भीम जिला राजसंमद के खिलाफ अपराध प्रमाणित होने से मुल्जिम को गिरफ्तार किया गया। पूर्व में इसी प्रकरण में एक अन्य मुल्जिम मनदीपसिंह पिता भूरसिंह रावत निवासी नया गांव पुलिस थाना जवाजा जिला ब्यावर को गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण में लूट की गई स्कूटी को बरामद किया जा चुका है।

रीट-2022 के चयनित अभ्यर्थियों ने मांगों को लेकर धरना दिया

रीट-2022 में चयनित अभ्यर्थी धरने पर बैठे।

झुंझुनूं, (निसं)। रीट-2022 के चयनितों को आज भी नियुक्त का इंतजार है। जिले से दीपक सरावग ने बताया कि रीट लेवल-2 अभ्यर्थियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। एक बार पेपर आउट होने की वजह से लेवल-2 रद्द कर दी गई। रीट-2022 भर्ती के चयनित अभ्यर्थियों को आज तक नियुक्ति नहीं मिली है। प्रोविजनल के नाम पर कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा परिणाम जारी नहीं किया गया। उसके बाद भर्ती पर विवादित प्रश्नों पर कोर्ट से स्टे आ गया। उसके बाद कोर्ट का आदेश संशोधित परिणाम जारी करने का आया। अभ्यर्थी लगातार बोर्ड का चक्कर काटते रहे। सरकार और बोर्ड पर दवाब बनाया धरना प्रदर्शन आंदोलन किया, जिसके बाद परिणाम जारी हुआ। अब परिणाम जारी हुए भी एक महीना बीत गया, लेकिन अभी तक जिला आवंटन नहीं हुआ। अभ्यर्थी लगातार नेताओं के चक्कर काट रहे हैं, ताकि उनकी सरकार सुने और उनके साथ इंसाफ हो। थक-हार कर चयनित बीकानेर निदेशालय के बाहर धरने पर बैठे। सरकार से उम्मीद है कि जल्द से जल्द नियुक्ति प्रदान करें। अगर जल्दी ही जिला आवंटित नहीं होता है तो अनिश्चितकालीन धरना बीकानेर निदेशालय के बाहर दिया जाएगा, जिसमें हजारों की संख्या में रीट चयनित शामिल होंगे। दीपक सरावग लगातार बेरोजगारों की आवाज उठाते रहे हैं। इस मौके पर जिला झुंझुनूं से दीपक चौधरी, पंकज शर्मा, सबचैन खान, अनिल बम्बोली, फिरोज अहमद, संदीप गुर्जर, आशीष, रोबिन, रहीश, निखिल, कृष्णकांत व प्रदेशभर से तमाम चयनित उपस्थित रहे।

कोटकासिम प्रधान को राहत, हाईकोर्ट को निलंबन वापस लेने की दी जानकारी

जयपुर। खैरथल-तिजारा जिले की कोटकासिम पंचायत समिति प्रधान विनोद कुमारी सांगवान को राहत मिली है। राज्य सरकार ने उनका निलंबन आदेश वापस ले लिया। इसकी जानकारी सरकार की ओर से हाईकोर्ट में दी गई। जिसके बाद जस्टिस अवनीश झिंगन की अदालत ने प्रधान की याचिका को निस्तारित कर दिया। याचिकाकर्ता प्रधान को ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग ने 28 अप्रेल को बीडीओ से मारपीट के आरोप में दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया था, जिसे उन्होंने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

याचिका में अधिवक्ता प्रदीप कलवानिया ने बताया कि प्रधान के खिलाफ बीडीओ संजय यादव ने 21 अप्रेल को मारपीट और अभद्रता करने का मामला दर्ज कराया था, जिसकी जांच कलक्टर की ओर से करवाई गई और 7 दिन में जांच पूरी कर प्रधान को दोषी मानते हुए विभाग ने निलंबित कर दिया। इसे अदालत में चुनौती देते हुए कहा कि चुने हुए जनप्रतिनिधि को केवल मामला दर्ज होने के आधार पर निलंबित नहीं किया जा सकता। नियमों के तहत मामले में ट्रायल शुरू होने के बाद ही निलंबन की कार्रवाई हो सकती है। कार्रवाई से पहले याचिकाकर्ता को किसी तरह की सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया। इसके साथ ही फरवरी में बीडीओ के द्वारा अभद्रता करने पर प्रधान के भी उसके खिलाफ परिवाद दिया था, लेकिन उस तथ्य को भी ध्यान में नहीं रखा गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सरकारी अधिवक्ता से पूछा कि आप चुने हुए जनप्रतिनिधि के साथ इस तरह का व्यवहार कैसे कर सकते हैं। इस पर सरकारी अधिवक्ता ने मामले में सरकार से बात करने की बात कही और लंच बाद कोर्ट को निलंबन वापस लेने की जानकारी दी।

दौराई-गोड्डा-दौराई नई रेल सेवा का शुभारंभ, आमजन ने खुशी जताई

अजमेर, (कासं)। रेल यात्रियों को सौगात के इसी क्रम में दौराई-गोड्डा-दौराई नई रेल सेवा का शुभारंभ तीन अगस्त को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी एवं उपमहापौर नगर निगम नीरज जैन की मौजूदगी में दौराई स्टेशन पर किया गया।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक बीसीएस चौधरी के अनुसार दौराई स्टेशन पर आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत गाड़ी संख्या 19603 दौराई-गोड्डा को अतिथियों ने मंडल रेल प्रबंधक राजू भूतड़ा सहित अन्य रेल अधिकारियों, कर्मचारियों व आमजन की उपस्थिति में 03.30 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

- केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने अजमेर संसदीय क्षेत्र को नई ट्रेन की यह सौगात देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया

दौराई स्टेशन पर गाड़ी संख्या 19603 दौराई-गोड्डा को अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस मौके पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने अपने उद्बोधन में अजमेर संसदीय क्षेत्र को नई ट्रेन की यह सौगात देने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया।

उल्लेखनीय है कि रेलवे प्रशासन द्वारा अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु गाड़ी संख्या 19603, दौराई (अजमेर)-गोड्डा साप्ताहिक रेलसेवा 03 अगस्त 2025 से दौराई से प्रत्येक रविवार को 15.30 बजे रवाना होकर सोमवार को 22.20 बजे गोड्डा पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 19604, गोड्डा-दौराई (अजमेर) साप्ताहिक रेल सेवा 5 अगस्त 2025 से गोड्डा से प्रत्येक मंगलवार को 5 बजे रवाना होकर बुधवार को 17.20 बजे दौराई पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, नीमकाथाना, नारनौल, अटेली, रेवाडी, गुडगांव, दिल्ली, गाजियाबाद, अलीगढ़, टूण्डला, इटावा, गोविन्दपुरी, फतेहपुर, सुबेदारगंज, मिर्जापुर, चुनार, पं. दीनदयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑन सोन, गया, तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल, झाझा, जसीडीह, देवघर, मोहनपुर, हँसडीहा व पोडैयाहाट स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

मंदिर के छोटे से परिसर में चल रहा है बड़बर गांव का कन्या विद्यालय

बुहाना, (निसं)। बड़बर गांव के ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर अवगत कराया कि राजकीय उच्च माध्यमिक कन्या विद्यालय एक मंदिर के छोटे से परिसर में चल रहा है। 35 वर्ष पूर्व भवन के अभाव में मंदिर परिसर में बने एक कमरे में प्राथमिक कन्या विद्यालय खोला गया था, जो एक छोटे से परिसर में है। यह विद्यालय समय-समय पर क्रमोन्नत होता रहा, जो अब कक्षा 12वीं तक हो गया है। इस छोटे से परिसर में बने कमरों में प्राथमिक विद्यालय चलाना भी असंभव है। दस वर्ष से जर्जर चले आ रहे कमरों की मरम्मत व विद्यालय संचालन के लिए पर्याप्त भूमि के लिए ग्रामीण व स्टाफ ने प्रयास किए, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। इसी गांव में छात्र संख्या कम होने के कारण मर्ज होने के कारण संस्कृत उच्च माध्यमिक विद्यालय के पास एक विद्यालय का भवन कई वर्ष से खाली पड़ा हुआ है, जिसमें इस विद्यालय को उस खाली पड़े भवन में ले जाने के लिए तत्कालीन प्रधानाध्यापिका तीन वर्ष से प्रयासरत है, लेकिन शिक्षा विभाग एक ही नहीं सुन रहा है, जिसके लिए ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन के माध्यम से स्थिति से अवगत कराया है। ग्रामीणों की मांग है कि इस कन्या विद्यालय के लिए भूमि आवंटन की जाए या पूर्व प्राथमिक विद्यालय के भवन में स्थानांतरित किया जाये। इस अवसर पर सचिन कुमार मिश्रा, राजेश कुमार कुमावत, सरपंच विनोद मिश्रा, सियाराम यादव, भारत शर्मा, आदेश गोस्वामी, हेमंत, नद्दू शर्मा, बबलू गुर्जर, विकाससिंह, रामचंद्र, अभय, सुभाष, भादर आदि मौजूद थे।

- 35 वर्ष पूर्व भवन के अभाव में मंदिर परिसर में बने एक कमरे में प्राथमिक कन्या विद्यालय खोला गया था, जो एक छोटे से परिसर में है
- यह विद्यालय समय-समय पर क्रमोन्नत होता रहा, जो अब कक्षा 12वीं तक हो गया है

बड़बर गांव के ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर भूमि आवंटन की मांग की।

2008 में सीएसके के साथ अपना सफर शुरू किया और उन्हें पांच आईपीएल खिताब दिलाए। फ्रेंचाइजी और शहर के साथ मेरे सफर ने व्यक्तिगत विकास में अहम भूमिका निभाई है।
– महेन्द्र सिंह धोनी

पूर्व सीएसके कप्तान, आईपीएल 2026 में खेलने की इच्छा जाहिर करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — यशस्वी जायसवाल

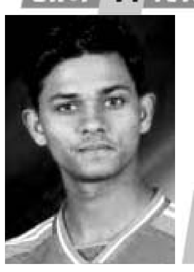

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 118 रनों की पारी खेलकर भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि वह अपनी पारी को और बड़ा करना चाहते थे लेकिन अंत में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं। मैं और बेहतर करना चाहता था, मैं इससे बड़ी पारी खेलना चाहता था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ और भी हासिल कर सकता था। लेकिन ठीक है, मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरी कोशिश यही रहती है कि जितना संभव हो सके उतनी देर बल्लेबाजी कर सकूं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत और इंग्लैंड बीच जारी टेस्ट सीरीज में अभी तक कुल 18 बार शतकीय साझेदारी हो चुकी है। जो 21वीं सदी में सबसे ज्यादा है।

'घर का पूत कुंवारा डोले, पाड़ोसी का फेरा'

एसएमएस हॉकी ग्राउंड में लगा असुविधाओं का अंबार, खेल विभाग द्वारा अनदेखी का आरोप

जयपुर, 3 अगस्त। एक मारवाड़ी कहावत बहुत प्रचलित है कि '' घर का पूत कुंवारा डोले, पाड़ोसी का फेरा''। यह कहावत खेल विभाग के उस फैसले पर खरी उतरती है कि आरसीए अकादमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन रखा जा रहा है जोकि राजस्थान क्रिकेट और हॉकी जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। जबकि दूसरी ओर सवाई मानसिंह स्टेडियम में स्थित हॉकी ग्राउंड का हाल बद से बदतर हो रहा है। उस ओर खेल विभाग का ध्यान बिल्कुल भी नहीं जा रहा है।

अगर खेल विभाग चाहता तो जब से हॉकी ग्राउंड पर एस्ट्रोट्फ लगा है तब से आज तक हॉकी ग्राउंड का नाम हॉकी लेजेंड मेजर ध्यानचंद हॉकी ग्राउंड रखा जा सकता था, इसके साथ ही खेल विभाग की ओर से मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होती। मगर ''वाह री हॉकी तेरी किस्मत'' हॉकी ग्राउंड की अनदेखी कर क्रिकेट अकादमी का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद भवन रखा जा रहा है। राजस्थान क्रिकेट संघ एक करोड़ रूपये की राशि सवाई मान सिंह स्टेडियम स्थित हॉकी मैदान में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा (स्टेच्यू) व भवन निर्माण हेतु तत्पर है व कमेटी का मानना है कि हॉकी भवन व मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा का निर्माण मेजर ध्यानचंद को सच्ची श्रद्धांजलि होगी, साथ ही राज्य हॉकी के युवा खिलाडियों को प्रेरणा भी देगा।

होना तो यह चाहिए कि खेल विभाग खिलाड़ियों को हॉकी के विभिन्न पहलुओं, जैसे शारीरिक, मानसिक और सामरिक, में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करें और छात्रों को समय प्रबंधन, स्वतंत्रता और संगठनात्मक कौशल विकसित करने में मदद करें लेकिन इसका उल्टा ही हो रहा है। सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर में एक अंतरराष्ट्रीय टर्फ हॉकी स्टेडियम है। यह स्टेडियम कई अन्य खेल गतिविधियों के साथ-साथ हॉकी के लिए भी एक प्रमुख स्थान है। यहां विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय हॉकी ग्राउंड है।

जयपुर में आज से दो दशक पहले एस्ट्रोट्फ हॉकी ग्राउंड पर लगाया गया था ताकि राजस्थान के हॉकी ग्राउंड पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेल खेला जा सके और राजस्थान के खिलाड़ियों को एस्ट्रोट्रफ में खेलने की प्रेक्टिस हो सके साथ ही अपने खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिल सके। इसका कितना फायदा खिलाड़ियों को मिला है ये सभी जानते हैं। फिर दुबारा इसका रेनोवेशन ऑफ सिंथेटिक हॉकी एस्ट्रोट्रफ मैदान का लोकार्पण रविवार, दिनांक 29.5.2022 को किया गया जिसका लोकार्पण का पत्थर लगा हुआ है हॉकी ग्राउंड के गेट के पास। कुल मिलाकर खेल विभाग को हॉकी ग्राउंड और हॉकी खिलाड़ियों की सुविधाओं की ओर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है अन्यथा हॉकी ग्राउंड एवं हॉकी खिलाड़ियों का भविष्य संवर नहीं सकता है।

राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर पहुंचाने का सपना अधूरा ही रह जाएगा

हॉकी ग्राउंड में आने वाले खिलाड़ियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। एक तरफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ खेल ओर खिलाड़ियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाना चाहते हैं वहीं खेल विभाग हॉकी ग्राउंड पर आने वाले खिलाड़ियों की जान का दुश्मन बना हुआ है। ग्राउंड में खिलाड़ियों के लिए लगे हुए टीन शेड्स के अंदर बिजली के तार और बोर्ड जमीन पर टूटे पड़े हुए हैं जिससे किसी भी खिलाड़ी को करंट लग सकता है। खिलाड़ियों की जान की कोई सिक्योरिटी नहीं है। अगर खिलाड़ियों के साथ कोई दुर्घटना होती है तो कौन जिम्मेदार होगा? इसका कोई जवाबदेही नहीं है। खिलाड़ियों के बैठने की कुर्सियां भी गायब है। हॉकी ग्राउंड पर रखे हुए डस्टबिन में कचरे की जगह बरसात का पानी भरा हुआ है और लोहे की जालियों के पास कचरे का अंबार लगा हुआ है। ताज्जुब कि बात तो यह है कि कीमती पुराने एस्ट्रोट्रफ को काटकर कचरे को ढकने के काम में लिया जा रहा है। एस्ट्रोट्रफ इस हॉकी ग्राउंड के लिए पुराना हो गया होगा लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उस एस्ट्रोट्रफ को खुले आसमान के नीचे सर्दी, गर्मी ओर बरसात की मार झेलने के लिए खुले में पटक दिया जाए। लोहे की जालियों को भी खुले में रखा गया है जिसमें आधे से ज्यादा लोहे को जंग लग गई है। पुराने गोल पोस्टों की भी हालत भी ऐसी ही है। ऐसा लगता है कि नए नए खेल सामान ग्राउंड पर लगाए जाए और पुराने फेंक दिए जाए। ये सभी पुराने सामान और जगह इस्तेमाल किए जा सकते हैं। लेकिन कोई जिम्मेदार नहीं है। हॉकी ग्राउंड के बाहर कचरे का ढेर लगा हुआ है। उस ओर किसी भी अधिकारी, कर्मचारी, ओर कोच का ध्यान ही नहीं जाता है।

राजस्थान शतरंज संघ में विवाद

19 वर्षों से खिलाड़ियों को टीए/डीए नहीं

जयपुर, 3 अगस्त। राजस्थान शतरंज संघ में लंबे समय से चल रहा प्रशासनिक विवाद अब गहराता जा रहा है। संघ के अध्यक्ष और उनके समर्थक कुछ जिला पदाधिकारी न सिर्फ राज्य संघ संविधान का उल्लंघन कर रहे हैं, बल्कि रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग राजस्थान द्वारा दिए गए स्पष्ट आदेशों की अवहेलना करते हुए अवैध चुनाव की घोषणा भी कर चुके हैं।

इस पूरी स्थिति का सबसे दुखद पहलू यह है कि पिछले 19 वर्षों से राज्य के शतरंज खिलाड़ियों को टीए/डीए तक नहीं मिल रहा है। आरसीए बीते 15 वर्षों से ''डिफंक्ट'' (अकार्यरत) स्थिति में है। इतना ही नहीं, वर्ष 2005 से लेकर 2021 तक आरसीए में ना तो कोई वैध चुनाव कराए गए और ना ही किसी प्रकार की ऑडिट रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। इन्हीं आधारों पर राजस्थान राज्य खेल परिषद ने आरसीए को विवादित खेलों की सूची में डाल रखा है, और अब तक उसे मान्यता नहीं दी है।

आरसीए का वर्तमान विवाद कैसे शुरू हुआ?

यह विवाद उस समय सामने आया जब जयपुर जिला शतरंज संघ ने जयपुर में फरवरी 2024 में नेशनल एमेच्योर प्रतियोगिता का आयोजन किया। उसी दौरान कुछ ज़िलों–जिन पर पहले से ही ज़िला रजिस्ट्रार और खेल कार्यालयों में जांच लंबित थी–ने मिलकर आरसीए के सचिव को निलंबित करने की साज़िश रची। यह निलंबन पत्र अध्यक्ष द्वारा जारी किया गया, जबकि आरसीए के संविधान के अनुसार अध्यक्ष को ऐसा कोई अधिकार नहीं है।

गंभीर वित्तीय और प्रशासनिक आरोप लंबित हैं।

इसके बावजूद पूर्व अध्यक्ष के गुट ने अवैध चुनाव की घोषणा कर दी है, और ज़िला संघों पर इस गैरकानूनी प्रक्रिया में भाग लेने का दबाव बनाया जा रहा है। अध्यक्ष द्वारा अखिल भारतीय शतरंज संघ में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए, आरसीए सचिव द्वारा भेजे गए राज्य स्तरीय कार्यक्रमों को भी रोका गया है।

खिलाड़ियों की मांग और भविष्य

राज्यभर के खिलाड़ी और कोच इस स्थिति से अत्यधिक परेशान हैं। टीए/डीए की अनुपलब्धता, टूर्नामेंटों की अनिश्चितता, और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी ने खेल गतिविधियों को प्रभावित किया है। खिलाड़ियों का कहना है कि जब तक आरसीए में वैध एडहॉक समिति नहीं बनती या सरकार स्वयं हस्तक्षेप नहीं करती, तब तक उनका भविष्य अधर में ही रहेगा। वे राज्य सरकार से यह अपील कर रहे हैं कि आरसीए में तत्काल स्वतंत्र, निष्पक्ष और वैध चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाए, ताकि संघ को दोबारा कार्यरत बनाकर खिलाड़ियों को उनका उचित लाभ दिलाया जा सके।

आयु धोखाधड़ी रोकने के लिए करने जा रहा है स्क्रीनिंग एजेंसी नियुक्त : बीसीसीआई

मुम्बई, 3 अगस्त। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) आयु-धोखाधड़ी रोकने और खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी को नियुक्त करने जा रहा है। बीसीसीआई के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी की नियुक्ति की प्रक्रिया में है। हाल ही में एक आरएफपी जारी किया गया है, जिसमें सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां आमंत्रित की गई हैं। इस आउटसोर्स एजेंसी के अगस्त के अंत तक स्थापित होने की उम्मीद है।

ऐसा माना जा रहा है कि यह मामला खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए से संबंधित है। बीसीसीआई का उद्देश्य इस प्रक्रिया को पेशेवर बनाना और अधिक आयु के खिलाड़ियों के इस प्रणाली में प्रवेश करने की किसी भी संभावना को समाप्त करना है। बीसीसीआई दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है - पहले में दस्तावेज़ों और जन्म प्रमाण पत्रों की जाँच शामिल है, जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धित के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं।

बीसीसीआई ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा तैयार की है। एक हालिया अधिसूचना के अनुसार, बोली लगाने वाली कंपनियों/एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षिणक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

इसके अलावा, इच्छुक पक्षों के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि बीसीसीआई वर्ष में इसी समय जुलाई और अगस्त के आसपास आयु सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है। सत्यापन राज्यवार किया जाता है और प्रत्येक राज्य से, प्रत्येक बालक और बालिका वर्ग में, 40-50 खिलाड़ियों को परीक्षण प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है।

ओवल टेस्ट-खराब लाइट से चौथे दिन का खेल जल्दी खत्म

ब्रूक-रूट के शतक, इंग्लैंड जीत से 35 रन दूर

लंदन, 3 अगस्त। हैरी ब्रूक (111) और जो रूट (105) की शानदार शतकीय पारियों के बाद बारिश के खलल के कारण दिन का खेल समाप्त किये जाने के समय इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन रविवार को दूसरी पारी में छह विकेट पर 339 रन बना लिए हैं और वह जीत से अब 35 रन दूर है।

चायकाल के बाद चार विकेट पर 317 रनों से आगे इंग्लैंड ने खेलना शुरु किया। इसी दौरान जो रूट ने अपना शतक पूरा किया। रूट ने 152 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 105 रनों की पारी खेली। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा ने विकेटकीपर ध्रुव जुरेल के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने जेकब बेथेल (पांच) को बोल्ड कर मैच को एक बार फिर भारत की ओर मोड दिया। 77वें ओवर में खराब रोशनी के कारण खेल रोका गया। उसके बाद बारिश होने लगी। मैदानी अम्पयरों ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद दिन का खेल समाप्त किये जाने की घोषणा की। इंग्लैंड ने स्टंप के समय छह विकेट पर 339 रन बना लिये है और जेमी स्मिथ नाबाद (दो) और जेमी ओवर्टन बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद है। इंग्लैंड को जहां जीत के लिए 35 रनों की जरूरत है वहीं भारत को चार विकेट की दरकार है। भारत की ओर प्रसिद्ध कृष्णा ने तीन और मोहम्मद सिराज ने दो विकेट लिये। आकाश दीप ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ब्रूक ने 98 गेंदों पर 111 रन की तेज-तर्रार पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए। आकाशदीप ने चायकाल से पहले ब्रूक को आउट किया लेकिन तब तक वह इंग्लैंड को जीत की राह पर अग्रसर कर चुके थे। इस सेशन में कुल 153 रन बने और सिर्फ एक विकेट गिरा है। इसी से पता चलता है कि यह मैच अब किस स्थिति में है। हल्की बूंदा-बांदी हो रही है। अगर यह जारी रहा तो भारत के तेज गेंदबाजों को आराम करने का और कुछ मैजिक करने के लिए रिफ्रेश होने का समय मिल जाएगा। लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि यह मैच अब भारत की पहुंच से बाहर जा चुका है।

इससे पहले इंग्लैंड ने कल के एक विकेट पर 50 रन से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में बेन डकेट ने तेजी के साथ बल्लेबाजी करते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद प्रसिद्ध कृष्णा ने बेन डकेट को केएल राहुल के हाथों स्लिप में कैच आउट करा दिया। बेन डकेट ने 83 गेंदों में छह चौकों की मदद से 54 रन बनाये। इसके बाद 28वें ओवर में मोहम्मद सिराज ने कप्तान ऑली पोप (27) को पगबाधा आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई।

इंग्लैंड ने लंच तक तीन विकेट पर 164 रन बना लिये थे और हैरी ब्रूक (नाबाद 38) और जो रूट (नाबाद 23) क्रीज पर मौजूद थे। पहले सत्र में भारतीय टीम को दो सफलताएं मिली, वहीं इंग्लैंड ने 114 रन भी बनाए हैं। हैरी ब्रूक का कैच अगर ले लिया जाता तो भारत हावी रहता लेकिन सिराज से गलती हो गई है।

कोको गॉफ पर सनसनीखेज जीत से विक्टोरिया म्बोको क्वार्टर फाइनल में

मॉन्ट्रियल (कनाडा), 3 अगस्त। कनाडा की किशोरी विक्टोरिया म्बोको ने नेशनल बैंक ओपन में बड़ा उलटफेर करते हुए शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है।

शनिवार रात खेले गये मुकाबले में कनाडाई किशोरी म्बोको ने शीर्ष वरीयता प्राप्त कोको गॉफ को सीधे सेटों में 6-1, 6-4 से हराया। विश्व में 85वें स्थान पर काबिज म्बोको ने गॉफ को एक घंटे दो मिनट चले मुकाबले में हराया।

अश्विनी विश्नोई ने बढ़ाया राजस्थान का मान : सीएम

जयपुर, 3 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल विजेता भीलवाड़ा निवासी अश्विनी विश्नोई ने मुलाकात की। शर्मा ने दुपट्टा ओढ़ाकर अश्विनी का सम्मान किया तथा उनको इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। भीलवाड़ा की बेटी अश्विनी ने कुश्ती में गोल्ड मेडल जीतकर पूरे विश्व में राजस्थान का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने अश्विनी विश्नोई की इस सफलता में मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए उनके पिता मुकेश विश्नोई को भी बधाई दी। उल्लेखनीय है कि अश्विनी विश्नोई ने एथेंस में अंडर 17 वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप के 65 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता है। इस जीत के साथ ही अश्विनी वर्ल्ड कुश्ती चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाली प्रदेश की प्रथम महिला पहलवान बनी है।

एचसीएल इंडिया स्क्वैश टूर का पहला चरण आज से

मिस्र के यासिन शोहदी और नूर खफागी को मिली शीर्ष वरीयता

जयपुर, 3 अगस्त। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया और एचसीएल के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार से यहां शुरू हो रहे एचसीएल इंडिया स्क्वैश टूर 2025 के पहले चरण में मिस्त्र के यासिन शोहदी और नूर खफागी को क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग में शीर्ष वरीयता दी गई है। भारत की स्टार स्क्वैश प्लेयर जोशना चिनप्पा और निरुपमा दुबे के टूर्नामेंट की शुरुआत से ठीक एक दिन पहले अपना नाम वापस लेने से राजस्थान की छवि सारण को मेन ड्रॉ में जगह मिल गई। स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष सुरभि मिश्रा ने रविवार को यहां बताया कि सोमवार से शुरू हो रहे मुकाबलों में मिस्त्र के यासिन शोहदी को शीर्ष वरीयता दी गई है। वहीं जापान के टोमो एंडो को दूसरी, श्रीलंका के रविन्दु लक्सिरी को तीसरी और मलेशिया के डेरिन प्रगासस को चौथी वरीयता मिली है। उन्होंने बताया कि पुरुष वर्ग में टॉप-8 में सूरज कुमार चन्द एकमात्र भारतीय हैं, जिन्हें छठी वरीयता दी गई है। भारत के राहुल बैथा, आर्यवीर दीवान, अयान वजीर अली और दिवाकर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे। सुरभि ने बताया कि महिला वर्ग में भी मिस्त्र की नूर खफागी टॉप सीड हैं। वहीं मिस्त्र की ही मेन्ना वलीद को दूसरी, जापान की अकारी मिडोरिकावा को तीसरी और मलेशिया की गो झी शुआन को चौथी वरीयता है। उन्होंने बताया कि टॉप-8 में शामिल चार भारतीय खिलाड़ियों तन्वी खन्ना को पांचवीं, अंजली सेमवाल को छठी, शमीना रियाज को सातवीं और जेनिट विधि को 8वीं वरीयता दी गई है। महिला वर्ग के मेन ड्रॉ में भारत की कुल 17 खिलाड़ी हैं, जिनमें सान्वी बतर, पूजा आरती, अराधना कस्तूरी राज, अनिका दुबे, तनिष्का जैन, आराधना पोड़वाल, सान्या बत्स और उन्नित त्रिपाठी आदि शामिल हैं।

सुरभि मिश्रा ने कहा कि 2028 में होने वाले लास एंजिलिस ओलंपिक में स्क्वैश को भी शामिल किया गया है। इसे देखते हुए ही फेडरेशन और एचसीएल इंडिया ने इंडिया स्क्वैश टूर की शुरुआत की है। जयपुर के बाद इंडिया टूर के आगामी चरण मुम्बई, चेन्नई, बेंगलुरु, अहमदाबाद और दिल्ली में खेले जाएंगे। इससे भारतीय खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय कॉम्पिटिशन मिलेगा और ओलंपिक खेलों की तैयारी में मदद मिलेगी।

ज्यादा खेलना बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा, आईसीसी को ध्यान देने की जरूरत : गूच

लंदन, 3 अगस्त। भारत और इंग्लैंड के बीच वर्तमान में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जिसे लेकर फैंस में अलग ही दीवानगी दिख रही है। हालांकि, महान बल्लेबाज ग्राहम गूच ने टेस्ट क्रिकेट को लेकर आईसीसी को सजग किया है। वहीं ग्राहम गूच का कहना है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चल रही पांच मैच की कड़ी सीरीज दबाव झेल रहे टेस्ट फॉर्मेट के लिए बिल्कुल सही प्रेरणा है लेकिन उन्हें डर भी है कि सिर्फ बिग थ्री(भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया) देशों के एक-दूसरे के साथ ज्यादा खेलने का मौजूदा चल अंतत:बोरियत और ठहराव का कारण बनेगा। अधिकतर टेस्ट क्रिकेट भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जा रहा है जो पांच मैच की सीरीज में एक-दूसरे के साथ खेलते हैं। वेस्टइंडीज, साउथअफ्रीका और न्यूजीलैंड जैसे आर्थिक रूप से कमजोर देश केवल दो या तीन मैच की सीरीज ही खेलते हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान गूच ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को बिग थ्री देशों से आगे बढ़कर फलने-फूलने की जरुरत है। गूच ने आगे कहा कि, मुझे लगता है कि आईसीसी का टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान देने की जरूरत है और ये देखने की जरूरत है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर देशों की कैसे मदद कर सकते हैं।

डब्ल्यूसीएल का भारत को समर्थन देना पीसीबी को नागवार गुजरा

नई दिल्ली, 3 अगस्त। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) के आयोजकों पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए रविवार को भविष्य में इस टूर्नामेंट में अपने खिलाड़ियों की भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। भारतीय टीम ने पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंधों को लेकर देश के रुख का हवाला देते हुए इस पड़ोसी देश के खिलाफ डब्ल्यूसीएल के ग्रुप चरण के मुकाबले और सेमीफाइनल दोनों में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद पीसीबी ने यह फैसला किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान के तहत बिल्व का पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने चाहिए।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर सेना के अधिकारी व एयरलाइन कर्मचारियों में मारपीट

स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई

- **एयर लाइन्स के अनुसार, सेना अधिकारी के सामान का वजन अधिक था तथा उनसे बोर्डिंग गेट पर अतिरिक्त भार के भुगतान के लिए कहा गया था।**
- **सेना ने कहा कि वह जाँच में पूरा सहयोग करेगी।**

श्रीनगर, 3 अगस्त। श्रीनगर में हवाई अड्डे पर सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा एक निजी एयरलाइंस के चार कर्मचारियों को कथित तौर पर बुरी तरह पीटने की घटना के प्रकाश में आने के बाद एयरलाइंस ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर मामले में उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

एयरलाइंस स्पाइसजेट के प्रवक्ता ने बताया कि कश्मीर में तैनात एक वरिष्ठ सेना अधिकारी ने 26 जुलाई को श्रीनगर हवाई अड्डे पर उसके चार कर्मचारियों पर कथित तौर पर तब हमला बोल दिया जब उन्होंने सामान के किराए के भुगतान का अनुरोध किया। इस मामले की प्राथमिकी थाने में दर्ज कराई है और नागरिक उड्डयन नियमों के अनुसार यात्री का नाम काली सूची (नो-फ्लाई) में डालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एयरलाइंस ने कहा कि उसने घटना का सीसीटीवी फुटेज हासिल करके पुलिस को सौंप दिया है और वह इस मामले की पूरी कानूनी और नियामकीय जाँच पर जोर देगी।

प्रवक्ता ने बताया कि उक्त अधिकारी ने श्रीनगर से दिल्ली जाने वाली उड़ान संख्या एसजी-386 के बोर्डिंग गेट पर तैनात एयरलाइंस के चार कर्मचारियों को इतना पीटा कि एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई और उसके जबड़े में गंभीर चोटें आईं। जब दूसरे कर्मचारी उसे बचाने आए तो अधिकारी ने उन्हें भी पीटा।

प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी के सामान का वजन 10 किलोग्राम था जबकि, मुसाफिरों को विमान के अदंर केवल सात किलोग्राम ले जाने की इजाजत है।

प्रवक्ता ने कहा, ''जब उनको विनम्रतापूर्वक इस बारे में बताया गया और लागू शुल्क का भुगतान के लिए कहा गया, तो यात्री ने इन्कार कर दिया और बोर्डिंग प्रक्रिया पूरी किए बिना ही जबरन एयरोब्रिज में प्रवेश कर गया। यह विमानन सुरक्षा प्रोटोकॉल का स्पष्ट उल्लंघन था।''

प्रवक्ता ने कहा, ''सीआईएसएफ के एक अधिकारी ने उसे वापस गेट तक पहुँचाया।''

इस मामले में सेना ने कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगी। सेना ने बयान में कहा, हम अनुशासन के उच्च मानकों पर चलते हैं और इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं।

बद्रीनाथ हाईवे पर पुल क्षतिग्रस्त, भारी वाहनों पर रोक

चमोली, 03 अगस्त। उत्तराखण्ड के चमोली जिले मे शनिवार रात्रि को भारी वर्षा होने के कारण बदरीनाथ हाईवे पर हनुमान चट्टी स्थित मोटर पुल के दोनों ओर की एबटमेंट सुरक्षा दीवार क्षतिग्रस्त हो गयी है। सतर्कता और सुरक्षा को देखते हुए फिलहाल भारी वाहनों के आवागमन पर रोक लगाई गई है। छोटे वाहनों टैक्सी, कार सहित अन्य हल्के वाहनों के आवागमन पर कोई रोक नहीं लगाई गई है। बदरीनाथ यात्रा फिलहाल जारी है।

- **हल्के वाहनों का आवागमन चालू रखा गया है तथा बद्रीनाथ यात्रा भी फिलहाल जारी है।**

पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने जानकारी देते हुए रविवार को बताया फिलहाल बदरीनाथ हाईवे यहाँ पर हल्के वाहनों के ही खोला गया है। पांडुकेश्वर से ऊपर सभी भारी वाहनों को प्रतिबंधित किया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने जोधपुर हाउस में बिल्व का पौधा लगाया

दिल्ली में पत्रकारों से वार्ता में उन्होंने रिफाइनरी के काम में तेजी लाने की बात कही

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में धार्मिक पर्यटन तथा विरासत से जुड़े पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दिया जायेगा। प्राचीन हवेलियों और हेरिटेज सम्पत्तियों की सूची बनवाई गई है तथा उनके उचित रखरखाव के लिए सरकार हर संभव सहयोग करेगी।**

नई दिल्ली/जयपुर, 3 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के जोधपुर हाउस में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बिल्व का पौधरोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बिल्व जैसे पौधे धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं। जैव विविधता को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाने चाहिए।

शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि हमारी सरकार राजस्थान के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य कर रही है। राजस्थान रिफाइनरी के काम में तीव्रता लाकर यहां बनने वाले बाय-प्रोडक्ट्स को संसाधित करके इससे जुड़े उद्योगों की स्थापना पर केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि प्रदेश में विभिन्न प्रकार के पर्यटन को बढ़ ावा दिया जा रहा है, जिसमें विशेष रूप से धार्मिक पर्यटन और हमारी विरासत से जुड़े पर्यटन स्थल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन हवेलियों और हेरिटेज संपत्तियों की सूची बनवाई गई है। इनके उचित रखरखाव के लिए सरकार हर संभव सहयोग करेगी।

रीट पेपर लीक में जब्त 1.20 करोड़ की एफडी होगी

यह राशि गत चार साल से गंगापुर सिटी थाने में रखी हुई थी

जयपुर, 3 अगस्त। राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा 2021 पेपरलीक मामले में जब्त 1.20 करोड़ रुपए से अधिक राशि की एफडी होगी।

ईडी मामलों की विशेष अदालत ने एसओजी को इसके निर्देश दिए हैं। यह राशि पिछले चार साल से गंगापुरसिटी थाने में रखी थी, लेकिन अब पेपरलीक का मामला जयपुर ट्रांसफर होने के बाद जब्त कैश और अन्य माल ईडी कोर्ट को भेज दिया गया।

यह राशि गंगापुरसिटी थाना पुलिस ने साल 2021-22 में अलग-अलग आरोपियों से बरामद की थी।

मामले में विशिष्ठ लोक अभियोजक बीएस चौहान ने बताया कि गंगापुर सिटी थानाधिकारी की ओर से प्रार्थना पत्र पेश करके जब्तशुदा एक करोड़ 20 लाख दो हजार रुपए व सामान को न्यायालय में जमा करवाने का आग्रह किया गया। कोर्ट ने प्रार्थना पत्र को निस्तारित कर नकदी को एफडी में जमा करवाने का आदेश दिया, वहीं जब्तशुदा सामान एसओजी थाने को सौंप दिया।

कोर्ट ने कहा कि एफडी अधिक ब्याज देने वाले बैंक में करवाई जाए और बैंक का नाम विशिष्ट लोक अभियोजक को बताया जाए।

सुनवाई के दौरान रीट पेपरलीक मामले के आरोपी चन्दनराम, कमला विश्नोई, सुमन, सोहिनी महेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र सिंह, राजेश कुमार मीना, संजय कुमार मीना बत्ती लाल मीणा, रवि मीणा, अमित कुमार मीणा, कमलेश मीणा, शिवदान मीना, नरेन्द्र विश्नोई, मुन्नीलाल विश्नोई व अशोक कुमार मौजूद रहे, जबकि शेष आरोपियों का हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र स्वीकार कर लिया। अब 11 अगस्त को मामले की सुनवाई करेगी।

गडकरी के घर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस और डॉग स्कॉयड की टीम ने गडकरी के घर मेंसर्च ऑपरेशन भी चलाया।

कुछ घंटों बाद गडकरी के घर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी का नाम उमेश विष्णु राउत है। उमेश विष्णु राउत मेडिकल चौक स्थित एक देसी शराब की दुकान पर काम करता है। पुलिस ने उसे नागपुर के बीमा दवाखाना के पास से गिरफ्तार किया है।

बता दें कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी नागपुर में ही मौजूद हैं। पुलिस की टीम अब गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ कर धमकी देने के पीछे की मंशा को जानना चाहेगी कि कहीं इस घटना में कोई और एंगल तो नहीं है।

सरकार ने 35 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक वसूली गई राशि को वसूलना शामिल होगा। एनपीपीए ने साफ किया है कि निर्धारित मूल्यों में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) शामिल नहीं है, जिसे लागू होने पर जोड़ा जा सकता है।

निर्माताओं को सभी वैधानिक आवश्यकताओं का पालन करना होगा, इंटीग्रेटेड फार्मास्युटिकल डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से फॉर्म वी में अपडेटेड प्राइस लिस्ट जारी करनी होगी और एनपीपीए तथा राज्य औषधि नियंत्रकों को जानकारी देनी होगी। स्पेसिफाइड फॉर्मूलेशन और निर्माताओं के लिए जारी किए गए किसी भी पूर्व मूल्य आदेश को इस लेटेस्ट नोटिफिकेशन द्वारा निरस्त कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को भूपेश बघेल की अग्रिम जमानत पर सुनवाई की संभावना

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताई है कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है

- **शराब, कोयला तथा महादेव सट्टा घोटाले में सीबीआई और ईडी की जाँच के बाद उनके पुत्र चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी हो चुकी है। राज्य व केन्द्र की जाँच एजेन्सियों ने कुछ समय पूर्व संबंधित मामलों की जाँच की गति तेज कर दी है।**

रायपुर, 03 अगस्त। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव तथा पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल को आशंका है कि उन्हें शराब,कोयला और महादेव सट्टा एप घोटालों में नाम आने के बाद कभी भी गिरफ्तार किया जा सकता है।

इस गिरफ्तारी से बचने के लिए बघेल ने सर्वोच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका लगाई है और न्यायालय सोमवार को उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए विचार कर सकता है।

बघेल ने याचिका में मांग की है कि उन्हें इन मामलों में किसी भी तरह से गिरफ्तार न किया जाए और जांच में सहयोग करने का अवसर दिया जाए। याचिका में यह भी उल्लेख किया है कि जिस तरह उनके बेटे चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी राजनीतिक द्वेष के चलते की गई, उसी तरह उन्हें भी निशाना बनाया जा सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आशंका जताई है कि, राजनीतिक प्रतिशोध के तहत उनकी गिरफ्तारी की जा सकती है। यह याचिका ऐसे समय में दाखिल की गई है जब राज्य और केन्द्र की जांच एजेसिंयों, ईडी तथा आर्थिक अपराध शाखा सहित कई केन्द्रीय जांच एजेंसियों ने संबंधित मामलों की जांच तेज कर दी है।

यह याचिका सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए लिस्टिंग की गई है। इसके अलावा बघेल और उनके बेटे ने सीबीआई और ईडी द्वारा की जा रही जांचों की वैधता को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है। याचिका में सवाल उठाया गया है कि सीबीआई और ईडी को छत्तीसगढ़ में जांच करने का अधिकार किस आधार पर मिला, जब राज्य सरकार ने पहले ही उनकी आम सहमति वापस ले ली थी।

सितंबर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

12 के अनुसार हर साल रजिस्टर्ड पोस्ट की संख्या में गिरावट आ रही है। साल 2011-12 में रजिस्टर्ड डाक से भेजने वाले आर्टिकल 24 करोड़ से घटकर 2019-20 में 18 करोड़ के रह गए। 25 फीसदी की कमी साफ देखी जा सकती है। कोरोना के बाद से तो स्थिति और खराब हो गई है।

सरयू नहर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आया। बमुश्किल खिड़की का शीशा तोड़कर एक-एक को बाहर निकाला। तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दुर्घटना का संज्ञान लेकर शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। सीएम ने मृतकों के परिजनों को पांच लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने के निर्देश दिए हैं।

चुनाव आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पत्र नहीं रख सकता है। अगर रखता है तो यह अपराध है। एनडीए के प्रवक्ताओं ने साफ कहा कि चुनाव आयोग को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और तत्काल इस मामले को लेकर तेजस्वी यादव पर मुकदमा दायर करना चाहिए।

'साढ़े छः ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आयोग के कथित कदम का विरोध करते हुए आरोप लगाया था कि यह भाजपा की उन राज्यों की वोट देने वाली आबादी का डेटा बदलने की चाल है जहाँ उसकी कोई पकड़ नहीं है।

ग्रेनाइट खदान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने इस दुर्घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को घायल श्रमिकों को बेहतर चिकित्सा प्रदान करने के निर्देश दिये हैं।

भारत ने अमेरिका से इस वर्ष दोगुनी राशि का तेल खरीदा

नई दिल्ली, 03 अगस्त। रूस से कच्चा तेल खरीदने पर आपत्ति जताने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए खुशखबरी है। भारत ने पिछले तीन महीने में पिछले साल की अपेक्षा 114 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल खरीदा है। अगर जनवरी से 25 जून तक बात करें तो भारत ने पिछले साल की अपेक्षा अमेरिका से 51 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल खरीदा है। पिछले साल जनवरी से जून तक 0.18 एमबी/डी कच्चा तेल भारत में आयात हुआ था, इस साल अब तक इसकी मात्रा .271 एमबी/डी पहुंच चुकी है। 2024 की तुलना में अप्रैल से जून 2025 तिमाही में भारत ने अमेरिका से 114 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल आयात किया है। इन आयातों का वित्तीय मूल्य दोगुने से भी अधिक हो गया है। 2024-25 की पहली तिमाही में 1.73 बिलियन डॉलर से बढ़ कर 2025-26 की अप्रैल से जून में 3.7 बिलियन डॉलर हो गया है।

- **अप्रैल-जून 2024 में आयात 1.73 बिलियन डॉलर था, जो इस अप्रैल-जून में 3.7 बिलियन डॉलर हो गया।**

सूत्रों के अनुसार, कच्चे तेल के आयात की गति और तेज होती दिख रही है। गर्मियों के महीनों में भी यह वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। गत जुलाई में भारत ने जून की तुलना में अमेरिका से 23 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल आयात किया है। भारत के कुल कच्चे तेल आयात में अमेरिका की हिस्सेदारी महज 3 प्रतिशत थी, जो जुलाई में बढ़ कर 8 प्रतिशत हो गई है। सूत्रों का कहना है कि वित्तीय साल 2025-2026 में भारतीय कंपनियां अपने कच्चे तेल के आयात में 150 प्रतिशत की वृद्धि करेंगी। आयात की यह बढ़ त केवल कच्चे तेल पर नहीं है। यह बढ़ त अन्य इनर्जी प्रोडक्ट पर भी है। अमेरिका से भारत आने वाला तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का आयात भी तेजी से बढ़ ा है। वित्तीय साल 2024-25 में एलएनजी आयात 2.46 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के 1.41 अरब डॉलर से लगभग दोगुना है। यानी एलएनजी आयात में करीब 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

ऊँची लहरों से केरल के तटों पर पानी भरने की आशंका

तिरुवनंतपुरम, 03 अगस्त। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र ने केरल के तटीय इलाकों में ऊंची लहरों के कारण पानी का स्तर बढ़ ने की आशंका को देखते हुये चेतावनी जारी की है।

स्थानीय भाषा में इसे कल्लक्कडल के नाम से भी जाना जाता है जो शक्तिशाली समुद्री उफानों के कारण तटीय बाढ़ की घटना को संदर्भित करता है।

यह अक्सर दूर के तूफानों से उत्पन्न होती है। समुद्र में दूर-दूर तक तेज हवाओं या तूफानों के कारण उत्पन्न ये लहरें लंबी दूरी तय करती हैं और तट पर पहुंचकर भारी बाढ़ और क्षति का कारण बन सकती हैं।

- **मछुआरों व स्थानीय नागरिकों से अत्यधिक सावधानी बरतने व इन क्षेत्रों में जाने से बचने को कहा गया है।**

कल्लक्कडल एक स्थानीय शब्द है जिसका प्रयोग केरल में, विशेष रूप से मानसून-पूर्व मौसम के दौरान, उफान के कारण आने वाली बाढ़ के लिए किया जाता है।

इन हालात को देखते हुए मछुआरों और तटीय निवासियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा गया है कि वे इन क्षेत्रों में जाने से बचें और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

'योगी के कैबिनेट मंत्री राजभर बिहार में भाजपा पर दबाव बना रहे हैं'

वे बिहार विधानसभा चुनाव में सम्मानजनक सीटों पर गठबंधन करना चाहते हैं

- **राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी कई वर्षों से बिहार में सक्रिय है, इसलिए वे विधानसभा चुनाव में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते है।**

लखनऊ, 3 अगस्त। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अब नए समीकरण के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। इसके संकेत उस समय मिलने शुरू हो गए जब उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के साथ गठबंधन नहीं हुआ तो सारे विकल्प खुले हुए हैं।

दरअसल, भाजपा की सहयोगी सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने बिहार चुनाव लड़ने के लिए गैर-भाजपा दलों के साथ तीसरा मोर्चा बनाने के संकेत देकर अपनी राजनीतिक ताकत फिर से दिखानी शुरू कर दी है।

सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने अपने बयान में कहा अगर बिहार में भाजपा के साथ हमारा गठबंधन नहीं होता है, तो हम सभी विकल्प खुले रखेंगे।

योगी सरकार में मंत्री राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और मुकेश साहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) सहित कई छोटी पार्टियों के साथ बातचीत कर रही है।

राजभर ने कहा कि उनकी पार्टी बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से कम से कम 156 पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा यह सब इस बात पर निर्भर करता है कि स्थिति क्या और कैसी बनती है। हम बिहार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं, जहां हम पिछले कई वर्षों से सक्रिय हैं।

भाजपा के सूत्रों ने बताया कि राजभर सीवान, चंपारण, सारण, गोपालगंज और बक्सर के कुछ इलाकों में सम्मानजनक सीटों के लिए भाजपा से कड़ी मोलभाव कर रहे हैं जहां राजभर, राजवंशी, राजधोबी और भर समुदायों की अच्छी-खासी मौजूदगी है। पार्टी का लक्ष्य पटवा और मंडल जैसी जातियों को भी एकजुट करना है।

एयर इंडिया का पुनः ''राष्ट्रीयकरण'' ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विमान ऑर्डर दिया है, तकनीक और कर्मचारियों के प्रशिक्षण में निवेश किया है, और ब्रांड की साख वापस लाने की कोशिश की जा रही है। इस तरह का बदलाव, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार भी, कई सालों में होता है, महीनों में नहीं।

आज जो समस्याएं एयर इंडिया में देखी जा रही हैं, वे पुनर्गठन की प्रक्रिया का हिस्सा हैं, न कि व्यवस्था की विफलता। अभी अगर फिर से इसका राष्ट्रीयकरण किया गया, तो भारत के आर्थिक सुधारों की साख को बड़ा झटका लगेगा और वैश्विक निवेशकों का भरोसा कमजोर होगा, जिन्हें नीति में स्थिरता चाहिए।

यह बात सही है कि एयर इंडिया के साथ भावनात्मक लगाव आज भी बना हुआ है। दशकों तक यह भारत की हवाई पहचान रही है, प्रधानमंत्रियों को ले जाने वाली, संकट में नागरिकों को वापस लाने वाली और प्रवासी भारतीयों को देश से जोड़ने वाली एयरलाइन। जब वही एयरलाइन निजी हाथों में संघर्ष करती दिखती है, तो लोगों को पीड़ा होती है।

- **पर, यह भी जरूरी है कि एयर इंडिया का मैनेजमैंट अपनी दिक्कतों व कमियों के बारे में सही जानकारी दे जनता को, नहीं तो यह ''इम्प्रेशन'' जोर पकड़ लेगा कि मैनेजमैंट के पास सिविल एविएशन का पूरा अनुभव नहीं है और कार्य कुशलता के अभाव में कंपनी डूब जायेगी।**

अगर टाटा समूह द्वारा दी जा रही पूंजी और स्वतंत्रता के बावजूद एयरलाइन लगातार विफल होती है, तो सार्वजनिक हित की बात फिर से उठ सकती है। मनीष तिवारी की यह चिंता, कि गैर-विमानन पेशेवर (नॉन एविएशन प्रॉफैशनल्स) इसे चला रहे हैं, इस बड़े भय को दर्शाती है कि एयर इंडिया की आत्मा सिर्फ लाभ कमाने के चक्कर में कहीं खो रही है।

इसके अलावा, भारत जैसे विशाल देश में हवाई संपर्क एक रणनीतिक संसाधन है। अगर निजी नियंत्रण में कुछ प्रमुख मार्ग घाटे का सौदा बनते हैं, तो जनता की जरूरतें पूरी नहीं होंगी। ऐसे में सरकार को सीधे या रैग्युलेशन के ज़रिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है।

फिर भी, एयर इंडिया का पुनः राष्ट्रीयकरण अभी जल्दबाज़ी होगी और मुश्किल से हो रहे सुधारों को कमज़ोर करने का खतरा पैदा हो सकता है। एयर इंडिया को कब्ज़े में लेने की नहीं, बल्कि कड़ी निगरानी की ज़रूरत है। सरकार को अपने नियामक अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए सेवा गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रतिस्पर्धा पर नज़र रखनी चाहिए। वहीं, टाटा समूह को संवाद बेहतर करना होगा, तेज़ी से कदम उठाने होंगे और यात्रियों व नीति-निर्माताओं, दोनों को यह भरोसा दिलाना होगा कि वे इस जिम्मेदारी के लायक हैं।

निजीकरण कभी कोई जादू की छड़ी नहीं था। यह एक ऐसा कदम था, जिससे सरकार को एयरलाइन चलाने के काम से आज़ाद किया जा सके, ताकि वह शासन पर ध्यान दे सके। इसी भावना में, ज़रूरी है कि जो टूटा है, उसे ठीक किया जाए, बिना उसे फिर से पूरी तरह बिगाड़े।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908